सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालूक, कोलार जिला

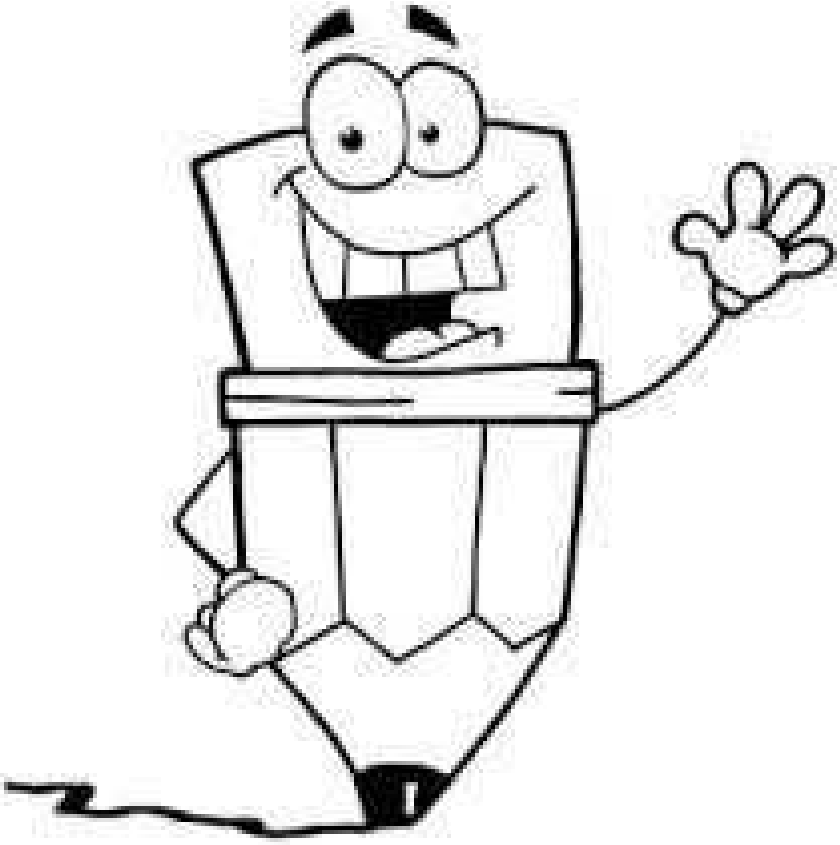

10 वी कक्षा (हिन्दी वल्लरी) की अभ्यास पुस्तिका

(व्याकरण, पत्र, निबंध, अभ्यास के प्रश्नोत्तर)

वेणुगोपाल
सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती
मालूर तालुक कोलार जिला

वर्णमाला

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं अः

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड़ ढ़ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व श ष स ह

क्ष , त्र, ज्ञ

कुल हिन्दी अक्षरों की संख्या	
स्वर	= 11
अनुनासिक	= 02
व्यंजन	= 33

कुल	46

स्वर

स्वतंत्र रूप से उच्चरित होने वाले अक्षरों को " **स्वर** " कहते है । (उच्चरित समय हवा में कहीं रुकावट
न होतो उसे स्वर कहते है ।)

जैसे– अ, आ, इ, ई, उ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

(हिन्दी में कुल 11 स्वर है ।)

व्यंजन

स्वतंत्र रूप से उच्चरित न होने वाले अक्षरों को व्यंजनाक्षर कहते है । (उच्चरित समय कहीं न कहीं हवा में रुकावट होकर उच्चरित होने वाले अक्षरों को व्यंजनाक्षर कहते है ।)

जैसे – क,ख, ग, घ, ङ
च, छ, ज, झ, ञ
ट, ठ, ड़, ढ़, ण
त, थ, द, ध, न
प, फ, ब, भ, म
य, र, ल, व, श, ष, स, ह

(हिन्दी में कुल 33 व्यंजन अक्षर है ।)

अनुनासिक

नाक और मुँह से उच्चरित होने वाले अक्षरों को अनुनासिक अक्षर कहते है ।

जैसे– अं = अनुस्वर
अः = विसर्ग

(हिन्दी में कुल 2 अनुनासिक अक्षर है)

संयुक्ताक्षर

दो या अधिक अक्षरों के मेल को संयुक्ताक्षर कहते है । (जैसे– क्ष, त्र, ज्ञ)

कोई कारण बताते हुए अपने प्रधान अध्यापक के नाम पर एक छुट्टी पत्र लिखिए।

वेणुगोपाल
सरकारी हाईस्कूल
चिक्कतिरुपती
मालूर तालुक
कोलार जिला

दिनांक–01–06–2016
चिक्कतिरुपती

सेवा में ,
प्रधानाध्यापकजी,
सरकारी हाईस्कूल
चिक्कतिरुपती
मालूर तालुक
कोलार जिला

मान्यवर,

विषय :– छुट्टी के लिए पत्र ।

मुझे बुखार आ गया है । इस कारण मैं स्कूल आ नहीं पाऊँगा / गी ।

इस कारण कृपया आप मुझे पाँच दिन की छुट्टी दीजिए ।

धन्यवाद ।

आप का आज्ञाकारी छात्र
वेणुगोपाल
सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

दो दिन की छुट्टी माँगते हुए अपने प्रधान कक्षाध्यापक के नाम पर एक छुट्टी पत्र लिखिए ।

वेणुगोपाल
सरकारी हाईस्कूल
चिक्कतिरुपती
मालूर तालुक
कोलार जिला

दिनांक–01–06–2016
चिक्कतिरुपती

सेवा में ,
कक्षाध्यापकजी,
सरकारी हाईस्कूल
चिक्कतिरुपती
मालूर तालुक
कोलार जिला

मान्यवर,

विषय :– छुट्टी के लिए पत्र ।

मेरा भाई का शादी है । इस कारण मैं स्कूल आ नहीं पाउँगा / गी ।

इस कारण कृपया आप मुझे दो दिन की छुट्टी दीजिए ।

धन्यवाद ।

आप का आज्ञाकारी छात्र
वेणुगोपाल

शाला शुल्क माँगते हुए अपने पिताजी के नाम एक पत्र लिखिए।

वेणुगोपाल
सरकारी हाईस्कूल
चिक्कतिरुपती
मालूर तालुक
कोलार जिला

दिनांक–01–06–2016
चिक्कतिरुपती

पूज्य पिताजी,

सादर प्रणाम ।

मैं यहाँ कुशल हूँ । आप के कुशलता के बारे में एक पत्र लिखिए । मैं यहाँ अच्छी तरह पढ़ रही / रहा हूँ ।

हमारे स्कूल में शाला शुल्क भरना चाहिए । इस कारण कृपया आप मुझे 500 रुपय भेज दीजिए ।

आप का(की) प्रिय पुत्र / पुत्री
वेणुगोपाल

सेवा में ,
वेंकटेश .एच.ए
5 वा क्रास
वी.वी. पुरम
बेंगलूर

शाला प्रवास के लिए अनुमति माँगते हुए अपने माताजी के नाम एक पत्र लिखिए ।

वेणुगोपाल
सरकारी हाईस्कूल
चिक्कतिरुपती
मालूर तालुक
कोलार जिला

दिनांक–01–06–2016
चिक्कतिरुपती

पूज्य माताजी,

सादर प्रणाम ।

मैं यहाँ कुशल हूँ । आप के कुशलता के बारे में एक पत्र लिखिए । मैं यहाँ अच्छी तरह पढ़ रही / रहा हूँ ।

हमारे स्कूल में शाला प्रवास जा रहे है । इस प्रवास में मैं भी जाना चाहता /ती हूँ । इस कारण कृपया आप मुझे 1500 रुपय भेज दीजिए ।

आप का(की) प्रिय पुत्र / पुत्री
वेणुगोपाल

सेवा में ,
अश्वतम्मा
5 वा क्रास
वी.वी. पुरम
बेंगलूर

–निबंध –

1. पर्यटन का महत्व

भूमिका –

कौतूहल और जिज्ञासा मानव की दो मूल प्रवृत्तियाँ है । नये–नये लोगों की जानकारी आदि के लिए वह सदैव आतुर रहता है । इसी उत्सुकता के लिए वह पर्यटन करता है । पर्यटन का अर्थ है – विभिन्न स्थानों को घूमना । आजकल विद्यालय में पर्यटन के महत्व को जानकर उसे शिक्षा का अंग माना गया है ।

विषय प्रवेश –

एक स्थान पर रहते–रहते व्यक्ति का मन ऊब जाता है । पर्वतीय प्रदेशों का शांत वातावरण उसे प्रकृति के समीप लाता है, उसका मन खुशी से भर जाता है और उसकी कार्यक्षमता में वृद्धि होती है । पर्यटन से मनुष्य व्यवहार कुशल, स्वावलंबी, धैर्यवान बनता है । विभिन्न प्रकार के लोगों से मिलने के बाद उसके व्यक्तित्व में विकास होता है मन मस्तिष्क में नवीनता लाने ले लिए सभी पर्यटन जाना अवश्य है ।

पर्यटन से हम देश–विदेश के लोगों की रहन–सहन, वेश–भूषा, खान–पान के अलावा संस्कृति, कला, ज्ञान–विज्ञान, जीने के तरीखे आदि का विचार समझ सकते है ।

पर्यटन देश की आर्थिक समृद्धि का आधार है । अनेक लोग विश्वभर में व्यापारिक दृष्टि से यात्रा करते है । इसी कारण है कि राज्य और राष्ट्र स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा दिया गया है । पर्यटन मनोरंजन का उत्तम साधन है । प्रतिदिन की व्यस्तता के बाद पर्यटन से सुख प्राप्त होता है, यह आरोग्य वृद्धि का भी साधन है ।

उपसंहार –

विद्यार्थियों के लिए पर्यटन का बहुत महत्वपूर्ण है । व्यक्ति के उत्तम मनोरंजन, ज्ञान वृद्धि, राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय सदभाव और मैत्री को बढाने का सबसे सुलभ साधन है ।

सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

2. वन महोत्सव

भूमिका–

हमारे चारों ओर के वातावरण को पर्यावरण कहते है । इस के अंतर्गत वन, पहाड, नदी, नाला, हरे–भरे पेड आदि आते है । इस प्रकृति में वनों का महत्वपूर्ण स्थान है । आज मानव प्रकृति के सहारे पर ही जी रहा है ।

इन वनों का रक्षा मानव अनेक प्रकार कर रहा है । जैसे वन महोत्सव, परिसर दिन आदि ।

विषय प्रवेश –

आदिकाल से मनुष्य प्रकृति की गोद में पाला – पोसा बड़ा हुआ है । मानव का जीवन वनों पर आश्रित हुआ है । मनुष्य को वनों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से लाभ है । विभिन्न जडी–बूटियों, सुगंधित पदार्थ बनाने के साधन और कागज़ का सामान सभी वनों से मिलते है ।

प्राकृतिक सौंदर्य और पर्यावरण का आधार वन ही है । वन वर्षा में सहायक होते हैं तथा वायु को शुद्ध करते हैं । वन पृथ्वी को हरा–भरा, सुंदर और आलर्षक बनाने में वृक्षों का बड़ा योगदान है । बडते हुए फैशन के कारण वनों की कटाई अधिक होती जा रही है । जनसंख्या वृद्धि के कारण भी वनों का नाश होता जा रहा है । वृक्षों की उपयोगिता के बारे में वैज्ञानिक के सुझाव लेकर, अधिक वृक्ष लगाये जा रहे है । आजकल वनों की रक्षा और पर्वतीय प्रदेशों में सरकार ने वनों की कटाई पर रोक लगा दी और प्रति वर्ष वन महोत्सव मनाए जाने लगे है।

प्रति वर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया जाता है । वन महोत्सव के कारण धीरे–धीरे वृक्षों की संख्या में वृद्धि होने लगी है । वन महोत्सव मास और वन महोत्सव सप्ताह के नाम से पूरे देश में वृक्षों को लगाया जा रहा है ।

उपसंहार –

वृक्षों को लगाने से वनों में बढ़ोत्तरी होती है । आज अनेक सामाजिक संस्थाएँ वृक्षारोपण के लिए की कार्यक्रम कर रही है । वन–जागृति से यह आशा कर सकते है कि हमारी धरती फिर से हरी–भरी हो जायेगी

गद्य भाग

1 – कश्मीरी सेब (प्रेमचन्द) {कहानी}

I ***एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।***

1. लेखक चीज़े खरीदने कहाँ गये थे ?
   लेखक चीज़े खरीदने ' चौक ' गये थे ।
2. लेखक को क्या नज़र आया ?
   लेखक को दुकान में ' रंगदार और गुलाबी सेब नज़र ' आया ।
3. लेखक का जी क्यों ललचा उठा ?
   रंगदार सेब और गुलाबी दुकान में सजे थे । ऐसे सेबों को खाने के लिए लेखक का जी ललचा उठा ।
4. टोमाटो किसका आवश्यक अंग बन गया है ?
   टोमाटो ' भोजन ' का आवश्यक अंग बन गया है ।
5. स्वाद में सेब किससे बढ़कर नही है ?
   स्वाद में सेब ' आम ' से बढ़कर नही है ।
6. रोज़ एक सेब खाने से किनकी ज़रूरत नही होगी ?
   रोज़ एक सेब खाने से ' डाक्टर ' की ज़रूरत नही होगी ।

II ***दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।***

1. **आजकल शिक्षित समाज में किसके बारे में विचार किया जाता है ?**
   आजकल शिक्षित समाज में ' विटामिन और प्रोटीन ' के बारे में विचार किया जाता है ।
2. **दुकानदार ने लेखक से क्या कहा ?**
   दुकानदार ने लेखक से कहा कि – ' बाबूजी बड़े मज़ेदार सेब आए है, खास कश्मीर के । आप ले जाएँ खाकर तबीयत खुश हो जायेगी । '
3. **दुकानदार ने अपने नौकर से क्या कहा ?**
   दुकानदार ने अपने नौकर से कहा कि – ' सुनो, आध सेर कश्मीरी सेब निकाल ला । चुनकर ला । '
4. **सेब की हालत के बारे में लिखिए ?**

पहले सेब में एक रुपए के आकार का छिलका गल गया था । दूसरा सेब आधा सड़ा हुआ था । तीसरा सेब सड़ा तो नही था मगर एक तरफ दबकर विलकुल पिचक गया था । चौथा सेब बेदाग था मगर उसमें एक काला सुराख था ।

III ***जोडकर लिखिए ।***

1. सेब को रुमाल में बाँधकर – अ) मुझे दे दिया ।
2. फल खाने का समय तो – आ) प्रातःकाल है ।
3. एक सेब भी खाने – इ) लायक नही ।
4. व्यापारियों की खाने – ई) बनी हुई थी ।

IV ***विलोम शब्द लिखिए ।***

1. शाम	*	सुबह	9. संदेह	*	निस्संदेह
2. खरीदना	*	बेचना	10. साफ	*	गंदा
3. बहुत	*	कम	11. बेईमान	*	ईमान
4. अच्छा	*	बुरा	12. विश्वास	*	अविश्वास

5. शिक्षित * अशिक्षित
6. आवश्यक * अनावश्यक
7. गरीब * अमीर
8. रात * दिन
13. सहयोग * असहयोग
14. हानि * लाभ
15. पास * दूर
16. ग़म * खुशी

V अनुरूपता

1. गुलाब 2. सब्जी 3. सेब 4. तोलना

VI अन्य वचन रूप लिखिए ।

1. चीज़े – चीज़
2. रास्ता – रास्ते
3. फल – फल
4. घर – घर
5. रुपए – रुपया
6. आँखे – आँख
7. कर्मचारी – कर्मचारीगण
8. व्यापरी – व्यापारीगण
9. रेवड़ी – रेवड़ियाँ
10. दूकान – दूकानें

VII प्रत्येक शब्द के अंतिम अक्षर से एक और शब्द बनाइए ।

1. दूकान – नल – लड़का – कान
2. बाज़ार – रक्म – मच्छर – राजा
3. रूमाल – लंबा – बालिका – काम
4. लेखक – कलम – मकान – नगर

VIII निम्न लिखित वाक्यों को सही क्रम से लिखिए ।

1. गाजर भी पहले गरीबों के पेट भरने की चीज़ थी ।
2. अब वह केवल स्वाद की चीज़ नही है ।
3. एक सेब भी खाने लायक नही ।
4. घर आकर अपनी भूल मालूम हुई ।

IX कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

1. ಕ್ಯಾರೆಟ್ ಸಹ ಮೊದಲು ಬಡವರ ಹೊಟ್ಟೆ ತುಂಬಿಸುವ ವಸ್ತು ಆಗಿತ್ತು .
2. ಅಂಗಡಿಯವನು ಹೇಳಿದ – ಬಹಳ ರುಚಿಕರವಾದ ಸೇಬುಗಳು ಬಂದಿವೆ.
3. ಒಂದು ಸೇಬು ಸಹಾ ತಿನ್ನಲು ಯೋಗ್ಯವಾಗಿರಲಿಲ್ಲ.
4. ಅಂಗಡಿಯವನು ನನ್ನಿಂದ ಕ್ಷಮೆ ಕೇಳಿದನು.

2 – गिल्लू (महादेवी वर्मा) { रेखाचित्र }

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **लिखिका ने कौए को क्यों विचित्र पक्षी कहा है ?**
   लिखिका ने कौए को विचित्र पक्षी कहा है क्योंकि, ' कौए एक साथ समादरित, अनादरित, अति अवमानित ' होते है ।
2. **गिलहरी का बच्चा कहाँ पड़ा था ?**
   गिलहरी का बच्चा ' ***गमले के पास*** ' पड़ा था ।
3. **लेखिका ने गिल्लू के घावों पर क्या लगाया ?**
   लेखिका ने गिल्लू के घावों पर ' ***पेन्सिलिन का मरहम*** ' लगाया ।
4. **वर्माजी गिलहरी को किस नाम से बुलाती थीं ?**
   वर्माजी गिलहरी को ' **गिल्लू** ' नाम से बुलाती थीं ।
5. **गिलहरी का लघु गात किसके भीतर बंद रहता था ?**
   गिलहरी का लघु गात ' **लिफ़ाफे** ' के भीतर बंद रहता था ।
6. **गिलहरी का प्रिय खाद्य क्या था ?**
   गिलहरी का प्रिय खाद्य ' **काजू** ' था ।
7. **लेखिका को किस कारण से अस्पताल में रहना पडा ?**
   लेखिका एक ' **मोटर दुर्घटना में घायल होने के कारण** ' अस्पताल में रहना पडा ।
8. **गिलहरी गर्मि के दिनों में कहाँ लेट जाता था ?**
   गिलहरी गर्मि के दिनों में ' **सुराही** ' पर लेट जाता था ।
9. **गिलहरी की जीवनावधि सामान्यतया कितनी होती है ?**
   गिलहरी की जीवनावधि सामान्यतया ' **दो** ' वर्ष होती है ।
10. ***गिलहरी की समाधि कहाँ बनायी गयी है ?***
    गिलहरी की समाधि ' **सोनजूही की लता** ' के नीचे बनायी गयी है ।

II दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **लेखिका को गिलहरी किस स्थिति में दिखायी पड़ी ?**
   कौओं के चोंचों के घाव के कारण गिल्लू निश्चेष्टा–सा गमले से चिपका पडने की स्थिति में गिलहरी लेखिका को दिखाई पडी ।
2. **लेखिका ने गिल्लू के प्राण कैसे बचाये ?**
   लेखिका गिल्लू को हौले से उठाकर अपने कमरे में लायी, फिर रुई से रक्त पोंछकर घावों पर पेन्सिलिन का मरहम लगाया । कई घंटे के उपचार के उपरान्त उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका ।
3. **लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था ?**
   लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता । उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे उठा न ले ।
4. **महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए वह कहाँ–कहाँ छिप जाता था ?**
   महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए कभी गिल्लू फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजूही की पत्तों में छिप जाता ।

5. गिल्लू ने लेखिका की गैरहाजरी में दिन कैसे बिताये ?

जब कोई लेखिका के कमरे का दरवाजा खोला जाए तो, गिल्लू अपने झूले से उतरकर दौड़ता और फिर किसी दूसरे को देखकर तेजी से अपने घोंसले में जा बैठता । सब उसे काजू दे जाते, परंतु वह अपने प्रिय खाद्य को कम खाता रहा । इस प्रकार गिल्लू ने लेखिका के गैर हाजरी में दिन बिताये ।

III पाँच – छः वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. गिल्लू के कार्य–कलाप के बारे में लिखिए ।

गिल्लू अपने घर में झूलता रहता था । लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैर तक आकर सर्र से परदे चढ़ जाता और फिर उसी तेजी से उतरता । उसका यह दौड़ने का क्रम तब तक चलता, जब तक लेखिका उसे उठा न ले और महादेवी वर्मा को चौंकाने के लिए गिल्लू कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में और कभी सोनजूही की पत्तों में छिप जाता ।

2. लेखिका ने गिलहरी को क्या–क्या सिखाया ?

लेखिका ने गिलहरी को बडी कठिनाई से थाली के पास बैठना सिखाया । जहाँ बैठकर गिल्लू एक–एक चावल उठाकर बडी सफाई से खाना सिखाया । कई दिन गिल्लू को काजू न मिलने पर वह अन्य खाने की चीज़े या तो लेना बंद कर देता था या झूले से नीचे फेंक देता था ।

3. गिल्लू के अंतिम दिनों का वर्णन कीजिए ।

गिलहरियों की जीवन अवधि दो वर्ष से अधिक नही होती, अतः गिल्लू की जीवन–यात्रा का अंत आ ही गया । दिन भर गिल्लू न कुछ खाया, न बाहर गया । पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने उसे हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया । परन्तु सुबह की प्रथम किरण के साथ वह चिर निद्रा में सो गया ।

4. गिल्लू के प्रति महादेवी वर्माजी की ममता का वर्णन कीजिए ।

महादेवी वर्मा के पास बहुत से पशु–पक्षी थे और उनका लगाव भी उन्हे कम नही था परन्तु उनमें से गिल्लू पर महादेवी वर्माजी को ज्यादा प्यार था । लेखिका ने गिलहरी को बडी कठिनाई से थाली के पास बैठना सिखाया । जहाँ बैठकर गिल्लू एक–एक चावल उठाकर बडी सफाई से खाना सिखाया । जब गिल्लू की जीवन–यात्रा का अंत आ गया । तब उसके पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने उसे हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया । इन घटनाओं से पता चलता है कि महादेवी वर्माजी को गिल्लू के प्रति अधिक ममता थी ।

IV रिक्त स्थान भरिए ।

1. काकभुशुण्ड़ी 2. मोटर – दुर्घटना 3. वसंत 4. पशु – पक्षी 5. जीवन यात्रा

V अनुरूपता शब्द लिखिए ।

1. महादेवी वर्माजी के निधन 2. लता 3. काला 4. चिक–चिक 5. कर्कश

VI कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

1. ಆಪರೇಷ್ಟೀ ಗಂಟೆಗಳ ಉಪಚಾರದ ನಂತರ ಅದರ ಬಾಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ಹನಿ ನೀರು ಹಾಕಲಾಯಿತು.
2. ಇಷ್ಟು ಚಿಕ್ಕ ಜೀವಿಯನ್ನು ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಸಾಕಿದ ನಾಯಿ–ಬೆಕ್ಕುಗಳಿಂದ ಕಾಪಾಡುವುದು ಒಂದು ಸಮಸ್ಯೆ ಆಗಿತ್ತು.
3. ದಿನ ಪೂರ್ತಿ ಗಿಲ್ಲೂ ಏನೂ ತಿನ್ನಲೂ ಇಲ್ಲಾ, ಹೊರಗಡೆ ಹೋಗಲು ಇಲ್ಲಾ.
4. ಗಿಲ್ಲೂ ನನ್ನ ಹತ್ತಿರ ಇಟ್ಟಿದ್ದ ನೀರಿನ ಮಡಕೆಯ ಮೇಲೆ ಮಲಗಿಕೊಳ್ಳುತ್ತಿತ್ತು.

VII दिए गए सही स्त्री लिंग शब्दों को चुनकर संबद्ध पुल्लिंग शब्दों के आगे लिखिए ।

पुल्लिंग	स्त्री लिंग
1. लेखक	1. लेखिका
2. श्रीमान	2. श्रीमती
3. मयूर	3. मयूरी
4. कुत्ता	4. कुतिया

VIII रिक्त स्थान भरिए ।

एक वचन	बहु वचन
1. उँगली	उँगलियाँ
2. आँख	आँखे
3. पूँछ	पूँछे
4. खिडकियाँ	खिडकी
5. फूल	फूल
6. पंजा	पंजे
7. लिफाफा	लिफाफे
8. कौआ	कौए
9. गमला	गमले
10. घोंसला	घोंसले

IX उदाहरणानुसार प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए ।

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
1. चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
2. लिखना	लिखाना	लिखवाना
3. मिलना	मिलाना	मिलवाना
4. देखना	दिखाना	दिखवाना
5. छेड़ना	छिड़ाना	छिड़वाना
6. भेजना	भिजाना	भिजवाना
7. सोना	सुलाना	सुलवाना
8. रोना	रुलाना	रुलवाना
9. धोना	धुलाना	धुलवाना
10. पीना	पिलाना	पिलवाना
11. सीना	सिलाना	सिलवाना

X विलोमार्थक शब्द लिखिए ।

1. निकट * दूर	2. विश्वास * अविश्वास	3. आदर * अनादर	4. ईमान * बेईमान
दिन * रात	प्रिय * अप्रिय	उपयोगी * अनुपयोगी	होश * बेहोश
भीतर * बाहर	संतोष * असंतोष	उपस्थिति* अनुपस्थिति	खबर * बेखबर
चढ़ना * उतरना	स्वस्थता * अस्वस्थता	उचित * अनुचित	रोज़गार * बेरोज़गार

XI समानार्थक शब्दों को चुनकर लिखिए ।

1. उपचार – चिकित्सा – इलाज
2. गात – शरीर – देह
3. आहार – खाना – भोजन
4. विस्मय – अचरज – आश्चर्य
5. हिम्मत – साहस – धैर्य
6. खोज – तलाश – ढूँढ

XII कारक नाम लिखिए ।

1. अधिकरण कारक
2. कर्म कारक
3. संबंध कारक
4. संबंध कारक
5. कर्ता कारक
6. अपदान कारक
7. अधिकरण कारक
8. संप्रदान कारक

XIII दी गयी शब्द–पहेली से पशु–पक्षीयों के नाम ढूँढकर लिखिए ।

1. मोर 2. हंस 3. कुत्ता 4. मयूर 5. गरुड 6. कबूतर 7. बिल्ली 8. कौआ

भाषा ज्ञान

II संधि विच्छेद करके लिखिए ।

1. तल्लीन = तत + लीन
2. दिगम्बर = दिक + अंबर
3. सद्गति = सत + गति
4. चिदानन्द = चित + आनन्द
5. सज्जन = सत + जन

III स्वर संधि और व्यंजन संधि के शब्दों की सूची बनाइए ।

स्वर संधि	व्यंजन संधि
1. गिरीश	1. सदाचार
2. इत्यादि	2. वागीश
3. सदैव	3 जगन्नाथ
4. नयन	4. षडदर्शन
5. महोत्सव	5. जगन्मोहन

3. मेरा बचपन – (अब्दुल कलाम) { **आत्मकथा** }

I एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **अब्दुल कलामजी का जन्म कहाँ हुआ ?**
   अब्दुल कलामजी का जन्म ' तमिलनाडू के रामेश्वरम ' में हुआ था ।
2. **अब्दुल कलामजी बचपन में किस घर में रहते थे ?**
   अब्दुल कलामजी बचपन में अपने ' पुश्तैनी घर ' में रहते थे ।
3. **अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु क्या थी ?**
   अब्दुल कलामजी के बचपन में दुर्लभ वस्तु ' पुस्तक ' थी ।
4. **जैनुलाबदीन ने कौन–सा काम शुरु किया ?**
   जैनुलाबदीन ने ' लकडी की नौकाएँ ' बनाने का काम शुरु किया ।
5. **अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई कौन थे ?**
   अब्दुल कलामजी के चचेरे भाई ' शम्सुद्दीन ' थे ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **अब्दुल कलाम का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीतने के कारण लिखिए ।**
   अब्दुल कलामजी के पिता आडंबरहीन व्यक्ति थे और सभी ऐशो – आरमवाली चीज़ों से दूर रहते थे । पर घर में सभी आवश्यक चीज़े समुचित मात्रा में सुलभता से उपलब्ध थीं । इस प्रकार अब्दुल कलामजी का बचपन बहुत ही निश्चिंतता और सादगी में बीता ।
2. **आशियम्माजी अब्दुल कलाम को खाने में क्या–क्या देती थी ?**
   आशियम्माजी अब्दुल कलामजी के सामने केले का पत्ता बिछातीं और फिर उस पर चावल एवं सुगंधित स्वादिष्ट सांबार डालती , साथ में घर में बना अचार और नारियल की ताज़ी चटनी भी होती ।
3. **जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में क्या कहते थे ?**
   जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते है कि जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रह्मांड का एक इस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म – पंथ का कोई भेदभाव नहीं होती ।
4. **जैनुलाबदीन ने कौन–सा काम शुरु किया ?**
   अब्दुल कलामजी के पिताजी जैनुलाबदीन स्थानीय ठेकेदार अहमद जलालुद्दीन के साथ समुद्र तट के पास नौकाएँ बनाने लगे ।

III चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **शम्सुद्दीन अखबारों के वितरण का कार्य कैसे करते थे ?**
   शम्सुद्दीन रामेश्वरम में अखबारों के एकमात्र वितरक थे । अखबार रामेश्वरम स्टेशन पर सुबह की ट्रेन से पहुँचते थे, जो पामबन से आती थी । इस अखबार एजेंसी को अकेले शम्सुद्दीन ही चलाते थे । रामेश्वरम में अखबारों की जुमला एक हज़ार प्रतियाँ बिकती थी ।

IV इन मुहावरों पर ध्यान दीजिए ।

1. पौ फटना – प्रभात होना
2. काम आना – काम में आना / इस्तेमाल होना

V अन्य वचन रूप लिखिए ।

1. बच्चा	–	बच्चे	4. नौका	–	नौकाएँ
2. गली	–	गलियाँ	5. प्रतियाँ	–	प्रति
3. केला	–	केले	6. पुस्तकें	–	पुस्तक

VI विलोम शब्द लिखिए ।

1. बहुत * कम
2. शाम * सुबह
3. सफल * असफल
4. अच्छा * बुरा
5. बड़ा * छोटा
6. अपना * पराया

VII जोडकर लिखिए ।

1. मेरे पिता	1. जैनुलाबदीन
2. मद्रास राज्य	2. तमिलनाडु
3. शम्सुद्दीन	3. चचेरे भाई
4. अहमद जलालुद्दीन	4. अंतरंग मित्र
5. पक्का दोस्त	5. रामानंद शास्त्री

VIII रिक्त स्थान भरिए ।

1. जीवन संगिनी 2. तीर्थ स्थल 3. अभिन्न मित्र 4. शम्सुद्दीन 5. जोहरा

IX अनुरूपता ।

1. राष्ट्रपति 2. चचेरे भाई 3. जल यात्रा 4. मस्जिद

X सहि शब्द से खाली स्थान भरिए ।

1. रामेश्वरम 2. शिव 3.पौ फटने 4. आज़ाद

XI वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

1. जीवन संगिनी – सीता राम की जीवन संगिनी थी ।
2. पुश्तैनी – हम हमारे पुश्तैनी घर में रहते है ।
3. प्रसिद्ध – चिक्कतिरुपति प्रसिद्ध तीर्थस्थल है ।
4. दिनचर्या – भगवान की प्रार्थना के साथ मेरा दिनचर्या प्रारंभ होती है ।
5. संतुष्टि – मेहनती लोग संतुष्टि का जीवन बिताते है ।

XII पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1. मकान 2. आधार 3. साँझ 4. देह 5. मित्र

भाषा ज्ञान

I उदाहरण के अनुसार प्रेरणार्थक क्रिया शब्दों को लिखिए ।

क्रिया	–	*प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप*	–	द्वितीय *प्रेरणार्थक क्रिया रूप*
पढना	–	पढाना	–	पढवाना
1. देखना	–	दिखाना	–	दिखवाना
2. सुनना	–	सुनाना	–	सुनवाना
3. करना	–	कराना	–	करवाना
4. जगना	–	जगाना	–	जगवाना
5. भेजना	–	भिजाना	–	भिजवाना
6. चलना	–	चलाना	–	चलवाना
7. बैठना	–	बिठाना	–	बिठवाना
8. रोना	–	रुलाना	–	रुलवाना
9. धोना	–	धुलाना	–	धुलवाना
10. देना	–	दिलाना	–	दिलवाना

II *उदाहरण के अनुसार प्रेरणार्थक शब्दों की सहायता से पाँच वाक्य बनाइए ।*

उदा – अध्यापक कहानी सुनाते है ।

1. अध्यापक पाठ पढाने है ।
2. अध्यापक काम कराते है ।
3. अध्यापक सही रास्ता दिखाते है ।
4. अध्यापक खाना खिलाते है ।
5. अध्यापक खेल खिलाते है ।

04 – बसंत की सच्चाई (विष्णु प्रभाकर) { **एकांकी** }

I *एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।*

1. **बसंत क्या–क्या बेचता था ?**
   बसंत ' बटन, छलनी और दियासलाई आदि ' वस्तुओं को बेचता था ।
2. बसंत के भाई के नाम क्या था ?
   बसंत के भाई के नाम ' **प्रताप** ' था ।
3. **पंडित राजकिशोर क्या काम करते थे ?**
   पंडित राजकिशोर ' **मजदूरों के नेता** ' थे ।
4. **छलनी का दाम क्या था ?**
   छलनी का दाम ' **दो** ' आना था ।
5. **बसंत और प्रताप कहाँ रहते थे ?**
   बसंत और प्रताप ' **भीखू अहीर** ' के घर में रहते थे ।
6. **बसंत की सच्चाई एकांकी में कितने दृश्य है ।**
   बसंत की सच्चाई एकांकी में ' **दो** ' दृश्य है ।
7. **एकांकी का प्रथम दृश्य कहाँ घटता है ?**
   एकांकी का प्रथम दृश्य नगर के बाज़ार में घटता है ।
8. **बसंत के घर पर डॉक्टर को कौन ले आता है ?**
   बसंत के घर पर डॉक्टर को ' **अमर सिंह** ' ले आता है ।
9. **पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण क्या है ?**
   पं. राजकिशोर के अनुसार बसंत में निहित दुर्लभ गुण ' **ईमानदारी** ' है ।
10. **पं. राजकिशोर कहाँ रहते थे ?**
    पं. राजकिशोर ' **किशनगंज** ' में रहते थे ।

II *दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।*

1. **छलनी से क्या–क्या कर सकते है ?**
   छलनी से चाय छान सकते है और दूध छान सकते है । छलनी रसोईघर में काम आनेवाली एक मुख्य वस्तु है ।

2. **बसंत राजकिशोर से क्या विनती करता है ?**
   बसंत राजकिशोर से विनती करता है कि, साहब बटन लीजिए, देसी बटन है । साहब दियासलाई लीजिए । साहब, सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका । आप से आशा थी । एक तो ले लीजिए ।

3. **बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से क्यों इनकार करता है ?**
   बसंत राजकिशोर से दो पैसे लेने से इनकार करता है क्योंकि, वह तो भीख है । वह भीख नही लेना नही चाहता था । वह मेहनत और ईमानदारी से जीना चाहता था ।

4. **बसंत राजकिशोर के पास क्यों नही लौटा ?**
   बसंत राजकिशोर के पास नही लौटा क्योंकि, बसंत पं.राजकिशोर के नोट लेकर भुनाकर वापस लौट रहा था तब, वह एक मोटर के नीचे आ गया था । मोटर उसके ऊपर से निकल जाने के कारण वह बेहोश हो गया था ।

5. प्रताप राजकिशोर के घर क्यों आया ?

प्रताप राजकिशोर के घर आया क्योंकि, उसके बड़े भाई बसंत ने राजकिशोर के चिल्लर वापस करने के लिए कहा था । वह पं. राजकिशोर के साढ़े चौदह (14 1/2) आने देने के लिए उनके घर आया था ।

6. बसंत ने राजकिशोर को छलनी खरीदने के लिए किस तरह प्रेरित किया ?

बसंत राजकिशोर से विनती करता है कि, साहब छलनी लीजिए, छलनी से चाय छानिए और दूध छनिए । सिर्फ दो आना कीमत है । साहब बटन लीजिए, देसी बटन है । साहब दियासलाई लीजिए । साहब, सबेरे से अब तक कुछ नहीं बिका । आप से आशा थी । एक तो ले लीजिए ।

7. बसंत के पैर देखकर डॉक्टर ने क्या कहा ?

बसंत के पैर देखकर डॉक्टर कहते है कि, पंडितजी ऐसा लगता है कि पैर की हड्डी टूट गई है । स्क्रीन करके देखना होगा । दूसरा पैर ठीक है, परंतु इसे अभी तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए ।

III चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. बसंत ईमानदार लडका है । कैसे ?

बसंत ईमानदार लडका है क्योंकि, बसंत मेहनत से जीना चाहता था । इस कारण वह बाज़ार में चीज़े बेचता है । मोटर दुर्घटना में उसकी हड्डी टूटने पर भी वह अपने भाई प्रताप को पं. राजकिशोर के घर उनके चिल्लर पैसे देने भेजता है । पं. राजकिशोर बसंत को दो पैसे दिए तो, बसंत उस पैसे लेने से इनकार करता है क्योंकि वह उसे भीख समझता है, वह भीख लेना नही चाहता है ।

2. बसंत और प्रताप अहीर के घर में क्यों रहते थे ?

बसंत और प्रताप अहीर के घर में रहते थे क्योंकि, वे अनाथ और गरीब थे । उनका कोई खास घर नही था । उनके माता–पिता की मृत्यु हो गई थी । दंगों के दिनों में उन्हे किसी ने मार डाला ।

3. राजकिशोर के मानवीय व्यवहार का परिचय दीजिए ।

पं. राजकिशोर मजदूरों के नेता थे । वे गरीबों के प्रति हमेशा हमदर्दी दिखाते थे । इसी कारण वे गरीब बसंत के पास छलनी खरीदा उसके भरोसे पर ही एक नोट उसके हाथ में दिया था । प्रताप द्वारा मोटर दुर्घटना के विषय मालूम होने पर वे सीधे अहीर टीले में रहने वाले घर जाता है । वहाँ डॉक्टर को भी बुलाता है और उसे चिकित्सा करवाता है । इससे पता चलता है कि पं.राजकिशोर के मानवीयता अत्यंत उच्च स्थान में है ।

IV अनुरूपता

1. अहीर टीला 2. गरीब लडका 3. नौकर 4. डॉक्टर 5. विस्मयादि बोधक

V रिक्त स्थान भरिए ।

1. भुना 2. साढे चौदह 3. भीखू अहीर 4. एम्बुलेन्स 5. ईमानदार

VI निम्न लिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए ।

1. एक छलनी में तुम्हें क्या बचता है ।
2. मैं अभी बाज़ार से भुना लाया था ।
3. एक दूसरे व्यक्ति से पूछेगा

VII विलोमार्थक शब्द लिखिए ।

1. पीछे * आगे
2. खरीदना * बेचना
3. लेना * देना
4. आना * जाना
5. शांति * अशांति
6. गरीब * अमीर

VIII कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

1. ಅವನ ವಯಸ್ಸು ಸರಿಸುಮಾರು ೧೨ ವರ್ಷ ಆಗಿದೆ.
2. ಬೆಳಗ್ಗೆಯಿಂದ ಇಲ್ಲಿಯ ವರೆಗೂ ಏನೂ ಮಾರಾಟ ಆಗಲಿಲ್ಲ.
3. ನಾನು ಭಿಕ್ಷೆ ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವುದಿಲ್ಲ.
4. ಬಹಳ ಕಷ್ಟ ಪಟ್ಟು ಬಸಂತನನ್ನು ಕರೆದುಕೊಂಡು ಹೋದರು.
5. ಇವನು ಬಡವನಿರಬಹುದು ಆದರೆ ಇವನಲ್ಲಿ ಒಂದು ಅಪರೂಪದ ಗುಣವಿದೆ.

भाषा ज्ञान

I लिंग पहचानकर अलग–अलग सूची बनाइए और उनके अन्य लिंग शब्द लिखिए ।

पुल्लिंग	स्त्री लिंग
1. लड़का	1. लड़की
2. बच्चा	2. बच्ची
3. दुबला	3. दुबली
4. पतला	4. पतली
5. थैला	5. थैली
6. साहब	6. साहिबा
7. भाई	7. बहन
8. बाप	8. माँ
9. डॉक्टर	9. डॉक्टराइन
10. पंडित	10. पंडिताइन

II रेखांकित शब्द का वचन पहचानिए और उस शब्द का अन्य वचन रूप लिखिए ।

1. जेब	–	जेब	7. मकान	–	मकान
2. आवाज़	–	आवाज़े	8. पैर	–	पैर
3. टाँगे	–	टाँग	9. पैसे	–	पैसा
4. आँखे	–	आँख	10. कपड़ा	–	कपड़े
5. घर	–	घर	11. खिड़की	–	खिडकियाँ
6. लोग	–	लोग	12. हड्डी	–	हड्डियाँ

III समास

समास का तात्पर्य है संक्षिप्तीकरण । दो या दो से अधिक शब्दों का मेल समास कहलाता है ।

उदा –

समस्त	*विग्रह वाक्य*	*समास*
राजपुत्र	राज का पुत्र	तत्पुरुष समास
माता–पिता	माता और पिता	द्वन्द्व समास
बेहोश	होश जिसमें न हो	अव्ययीभाव समास
सुविधानुसार	सुविधा के अनुसार	तत्पुरुष समास
दुबला–पतला	दुबला और पतला	द्वन्द्व समास
नीला परदा	नीले रंगवाला परदा	कर्मधारय समास
पंद्रह मिनट	पंद्रह मिनट का समय	द्विगु समास
लंगडा	टूटे हैं पैर जिसके	बहुव्रीहि समास

05 – इंटरनेट – क्रांति (*संकलित*) { **निबंध** }

विस्तृत रूप

1. आई. टी = इनफारमेशन टैक्नालजी
2. आई. टी. ई. एस = इनफारमेशन टैक्नालजी एनेबल्ड सर्वीसेस

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. इंटरनेट का अर्थ क्या है ?

' इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है । '

2. संचार और सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?

इंटरनेट के बिना संचार और सूचना दोनों ही क्षेत्र ' ठप ' पड़ जाता है ।

3. इंटरनेट बैंकिंग द्वारा क्या भेजा जा सकता है ?

इंटरनेट बैंकिंग द्वारा ' **पैसे** ' भेजा जा सकता है ।

4. प्रगतिशील राष्ट किसके द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे है ?

प्रगतिशील राष्ट्र ' **ई–गवर्नेन्स** ' द्वारा बदलाव लाने की कोशिश कर रहे है ।

5. समाज के किन क्षेत्रों में इंटरनेट का योगदान है ?

' चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष, विज्ञान, शिक्षा, रक्षादल, उद्योग धंधे ' आदि अनेक क्षेत्रों मे इंटरनेट का योगदान है।

6. इंटरनेट का असर किस पर पड़ा है ?

इंटरनेट का असर ' **बडे बूढ़ों से लेकर छोटे बच्चों** ' तक सब पर पड़ा है ।

7. रोहन के पिताजी ने उसको क्या सुझाव दिया ?

रोहन के पिताजी ने रोहन को सुझाव दिया कि वह अपने ' कंप्यूटर शिक्षक से इंटरनेट के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें । '

8. आई. टी. ई. एस का विस्तृत रूप क्या है ?

आई. टी. ई. एस = इनफारमेशन टैक्नालजी एनेबल्ड सर्वीसेस

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. इंटरनेट का मतलब क्या है ?

इंटरनेट अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल है ।

2. व्यापार और बैंकिंग में इंटरनेट से क्या मदद मिलती है ?

व्यापार में इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते है । कोई भी बिल भर सकते है । बैंकिंग में इंटरनेट द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है ।

3. ई–गवर्नेंस क्या है ?

ई–गवर्नेंस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवर्ण, अभिलेख, सरकारी आदेश को यतावत लोगों को सूचित किया जाता है । इससे प्रशासन पारदर्शि बन सकता है ।

III चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. संचार व सूचना के क्षेत्र में इंटरनेट का क्या महत्व है ?

संचार व सूचना क्षेत्र में इंटरनेट का बड़ा महत्व है । इसके द्वारा दूर के रहनेवाले रिश्तेदार या दोस्तों को कोई विचार, विषय, स्थिर चित्र, वीडियो चित्र हो आसानी से कम खर्चे में भेजी जाती है ।

2. ' वीडियो कान्फरेन्स ' के बारे में लिखिए ।

वीडियो कान्फरेन्स (काल्पनिक सभागार) में एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8–10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते है । एक ही कमरे मे बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार–विनिमय कर सकते है ।

3. ' सोशियल नेटवर्किंग ' एक क्रांतिकारी खोज है । कैसे ?

' सोशियल नेटवर्किंग ' एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा रखा है । सोशियल नेटवर्किंग के कई साइट्स है । जैसे – फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन, आदि । इन साइटों के कारण देश–विदेश के लोगों की रहन–सहन, वेश–भूषा, खान–पान के अलावा संस्कृति, कला आदि की जानकारी मिलती है ।

4. इंटरनेट से कौन सी हानियाँ हो सकती है ?

इंटरनेट से कई हानियाँ हो सकती है । जैसे–पैरसी, बैंकिंग फ्रॉड, हैकिंग आदि बढ़ रही है । मुफ्त वेब साइट, चैटिंग आदि से बच्चे और युव पीढी फँसे हुए है । इससे वक्त का दुरुपयोग होता है । बच्चे अनुपयुक्त और अनावश्यक जानकरी प्राप्त करते है ।

IV अनुरूपता ।

1. अंतर्जाल 2. इनफारमेशन टैक्नालजी एनेबल्ड सर्वीसेस 3. अभिशाप 4. पारदर्शि प्रशासन

V जोडकर लिखिए ।

1. इंटरनेट ने पूरे विश्व को	–	1. एक छोटे गाँव का रूप दे दिया है ।
2. इंटरनेट द्वारा कोई भी	–	2. बिल भर सकते है ।
3. इंटरनेट समाज के लिए	–	3. बहुत बड़ा वरदान साबित हुआ ।
4. इंटरनेट की वजह से	–	4. पैरसी, हैकिंग आदि बढ रही है ।
5. इंटरनेट से सबको	–	5. सचेत रहना चाहिए ।

VI कोष्टक में दिए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए ।

1. अंतर्जाल 2. रोज़गार 3. साइट्स 4. पारदर्शि 5. वरदान 6. रक्षादलों 7. अभिशाप

VII कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

1. ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಆಧುನಿಕ ಜೀವನಶೈಲಿಯ ಮಹತ್ವಪೂರ್ಣವಾದ ಅಂಗ ಆಗಿದೆ.
2. ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್ ಮೂಲಕ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಕುಳಿತುಕೊಂಡು ವಸ್ತುಗಳನ್ನು ಕೊಂಡುಕೊಳ್ಳಬಹುದು.
3. ಇಂಟರ್‌ನೆಟ್‌ನ ಸಹಾಯದಿಂದ ನಿರುದ್ಯೋಗವನ್ನು ನಿವಾರಿಸಬಹುದು.

VIII सही विलोम शब्दों को चुनकर लिखिए ।

1. बढ़ना	*	घटना	4. वरदान	*	अभिशाप
2. स्थिर	*	अस्थिर	5. दुरुपयोग	*	उपयोग
3. मुमकिन	*	नामुमकिन	6. अनुपयुक्त	*	उपयुक्त

IX अन्य वचन रूप लिखिए ।

उदा – पैसा – पैसे	उदा – खबर – खबरें	उदा – युग –युग	उदा – जिंदगी – जिंदगियाँ
1. परदे	1. किताबें	1. दोस्त	1. जानकारियाँ
2. कमरे	2. जगहें	2. कंप्यूटर	2. चिट्ठियाँ
3. दायरे	3. कोशिशें	3. रिश्तेदार	3. जीवनशैलियाँ

सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

X इन वाक्यों में प्रयुक्त विराम चिह्नों का नाम लिखिए ।

1. (।) पूर्ण विराम चिह्न 2. (?) प्रश्नवाचक चिह्न 3. (!) विस्मयादि बोधक चिह्न
4. (–) योजक चिह्न 5. (,) अल्प विराम चिह्न

XII शब्द खोज

उदा–

हिन्दी = 1. नवभारत टाइम्स
2. राजस्थान पत्रिका
3. हिन्दुस्तान

कन्नड = 1. प्रजावाणी
2. कन्नड प्रभा

अंग्रेज़ी = 1. डेक्कन हेराल्ड
2. टाइम्स ऑफ इंडिया

भाषा ज्ञान

I निर्देशानुसार वाक्यों का काल परिवर्तन करके लिखिए ।

1. सब पर इंटरनेट क्रांति का असर पडेगा ।
2. रोहन विस्तृत जानकारी पाना चाह रहा है ।
3. रोहन ने कंप्यूटर शिक्षक से प्रश्न पूछा ।

II

1. वर्तमान काल
2. भूतकाल
3. वर्तमान काल
4. वर्तमान काल
5. भविष्यत काल

06 – ईमानदारों के सम्मेलन में (हरिशंकर परसाई) { **व्यंग्य रचना** }

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. प्रस्तुत कहानी के लेखक कौन है ?
प्रस्तुत कहानी के लेखक ' **हरिशंकर परसाईजी** ' है ।

2. लेखक दूसरे दर्जे में क्यों सफर करना चाहते थे ?
लेखक दूसरे दर्जे में सफर करना चाहते थे क्योंकि, इससे उनको ' ***150*** ' रुपय बचता था ।

3. लेखक की चप्पलें किसने पहनी थी ?
लेखक की चप्पलें ' **एक ईमानदार डेलिगेट** ' ने पहनी थी ।

4. स्वागत समिति के मंत्री किसको डाँटने लगे ?
स्वागत समिति के मंत्री ' **कार्यकर्ताओं** ' को डाँटने लगे ।

5. लेखक पहनने के कपड़े कहाँ दबाकर सोये ?
लेखक पहनने के कपड़े ' **/सिरहाने** ' दबाकर सोये ।

6. सम्मेलन में लेखक भाग लेने से किन–किन को प्रेरणा मिल सकती थी ?
सम्मेलन में लेखक भाग लेने से ' **ईमानदार और उदीयमान ईमानदारों** ' को प्रेरणा मिल सकती थी ।

7. लेखक को कहाँ ठहराया गया ?
लेखक को ' **होटल के एक बड़े कमरे** ' में ठहराया गया ।

8. ब्रीफकेस में क्या था ?
ब्रीफकेस में ' **कागज़ात** ' था ।

9. लेखक ने धूप का चश्मा कहाँ रखा था ?
लेखक ने धूप का चश्मा ' **टेबुल** ' पर रखा था ।

10. तीसरे दिन लेखक के कमरे से क्या गायब हो गया था ?
तीसरे दिन लेखक के कमरे से ' **कंबल** ' गायब हो गया था ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में क्या लिखा गया था ?
लेखक को भेजे गये निमंत्रण पत्र में लिखा गया था कि, ' हम लोग इस शहर में एक ईमानदार सम्मेलन कर रहे है । आप देश के प्रसिद्ध ईमानदार है । हमारी प्रार्थना है कि आप इस सम्मेलन का उद्घाटन करें । हम आपको आने–जाने का पहले दर्जे का किराया देम्गे तथा आवास, भोजन आदि की उत्तम व्यवस्था करेंगे । आपके आगमन से ईमानदारों तथा उदीयमान ईमानदरों को बड़ी प्रेरणा मिलेगी ।

2. फूल मालाएँ मिलने पर लेखक क्या सोचने लगे ?
लेखक जब स्टेशन पहुँचे तब उनका खूब स्वागत हुआ । लगभग दस बड़ी फूल मालाएँ उनको पहनायी गयी । तब लेखक ने सोचा कि आसपास कोई माली होता तो ये फूल मालाएँ बेच लेता ।

3. लेखक ने मंत्री को क्या समझाया ?
स्वगत समिति के मंत्री पुलीस को बुलाने के लिए कहे तो लेखक ने मंत्री को समझाया कि ऐसे हरगिज मत करेये । ईमानदारों के सम्मेलन में पुलीस ईमानदारों की तलाशी ले, यह बड़ी अशोभनीय बात होगी । फिर इतने बड़े सम्मेलन में थोड़ी गड़बड़ी होगी ही । '

4. चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने क्या सुझाव दिया ?
चप्पलों की चोरी होने पर ईमानदार डेलिगेट ने सुझाव दिया कि, ' देखिए चप्पलें एक जगह नही उतारनी चाहिए । एक चप्पल यहाँ उतारिए तो दूसरी दस फूट की दूरी पर । तब चप्पले चोरी नही होती । एक ही जगह जोड़ी होगी, तो कोई भी पहन लेगा । मैंने ऐसा ही किया था । '

5. लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय क्यों लिया ?

सम्मेलन में लेखक के सभी सामान चोरी हो गया था । ताला तक चुरा लिया गया था । अब वे बचे थे । अगर वे वही रुके तो उन्हीं को चुरा लिया जा सकता था । यह सोचकर लेखक ने कमरा छोड़कर जाने का निर्णय लिया ।

6. मुख्य अतिथि की बेईमानी कहाँ दिखाई देती है ?

रेलवे स्टेशन पर जब उनको फूल मालाएँ पहनाई गयी, उन फूलों को बेचने के लिए माली को ढूँढते है । कार्यक्रम के आयोजन कर्ता लेखक को पहले दर्जे का किरा दे तो, वे दूसरी दर्जे में सफर करके डेढ सौ (150) रुपय बचा लेते है । इन सब घटनाओं में मुख्य अतिथि की बेईमानी दिखाई देती है ।

III चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. लेखक के धूप का चश्मा खो जाने की घटना का वर्णन कीजिए ।

लेखक होटल के कमरें में ठहरे थे । दूसरे दिन बैठक में जाने के लिए अपना धूप का चश्मा ढूँढने लगे पर वह गायब हो गया था । इस कारण लेखक ने बिना धूप का चश्मा लगाये बैठक में पहुँचे । चाय के विराम के समय में एक सज्जन आये और कहने लगे कि बड़ी चोरियाँ हो रही है । देखिए, आपका धूप का चश्मा ही चला गया । वह धूप का चश्मा लगाये थे । उन्हे याद था कि एक दिन पहले वह धूप का चश्मा नहीं लगाये थे । जो चश्मा वे पहने थे वह लेखक का ही था ।

2. मंत्री तथा कार्यकर्ताओं के बीच में क्या वार्तालाप हुआ ?

कार्यक्रम में जब चोरियाँ होने लगी तब मंत्री कार्यकर्ताओं को डाँटते हुए कहते है कि ' तुम लोग क्या काते हो ? तुम्हारी ड्यूटी यहाँ पर है । तुम्हारे रहते चोरियाँ हो रही है । यह इमानदारों का सम्मेलन है । बाहर यह चोरी की बात फैली तो कितनी बदनामी होगी । ' तब कार्यकर्ताओं ने कहा कि, ' हम क्या करें अगर सम्माननीय डेलीगेट यहाँ–वहाँ जाए तो हम उन्हें रोक सकते है ? '

3. सम्मेलन में लेखक के क्या–क्या अनुभव रहे ? संक्षेप में लिखिए ।

लेखक को ईमानदारों के सम्मेलन में चप्पलें चोरी हो गयी थी , दूसरे ईमानदार डेलिगेट उनके चप्पलें पहनकर उनको ही सुझाव देने लगे थे । उनके कमरें में कंबल और चादर चोरी हो गया था । लेखक का धूप का चश्मा भी चोरी हो गया था । एक सज्जन उनके चश्मा पहनकर उनको ही समझाने लगे थे । अंत में हम यह कह सकते है कि, सम्मेलन में लेखक का अनुभव बहुत बुरा था ।

IV अनुरुपता

1. चादर 2. धूप का चश्मा 3. दो पहियों का वाहन 4. आसमान

V रिक्त स्थान भरिए ।

1. ईमानदारों के 2. गनीमत 3. इतमीनान 4. गड़बड़ी

VI विलोम शब्द लिखिए ।

1. आगमन * निर्गमन
2. रात * दिन
3. जवाब * सवाल
4. बेचना * खरीदना
5. सज्जन * दुर्जन

VII बहु वचन रूप लिखिए ।

1. कपड़ा – कपड़े
2. चादर – चादरें
3. बात – बातें
4. डिब्बा – डब्बे
5. चीज़ – चीज़े

VIII प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए ।

क्रिया	*प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया*	*द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया*
1. ठहरना	ठहराना	ठहराना
2. धोना	धुलाना	धुलवाना
3. देखना	दिखाना	दिखवाना
4. लौटना	लौटाना	लौटवाना
5. उतरना	उतराना	उतरवाना
6. पहनना	पहनाना	पहनवाना

IX संधि – विच्छेद करके संधि का नाम लिखिए।

1. स्वागत = सु + आगत = यण संधि
2. सहनुभूति = सहानु + भूति = दीर्घ संधि
3. सज्जन = सत + जन = व्यंजन संधि
4. परोपकार = पर + उपकार = गुण संधि
5. निश्चिंत = निः + चिंत = विसर्ग संधि
6. सदैव = सदा + एव = वृद्धि संधि

X कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

1. ನಾವು ನಿಮಗೆ ಬಂದು ಹೋಗಲು ಮೊದಲ ದರ್ಜೆಯ ಬಾಡಿಗೆ ಹಣವನ್ನು ಕೊಡುತ್ತೇವೆ.
2. ನಿಲ್ದಾಣದಲ್ಲಿ ನನಗೆ ಅದ್ದೂರಿಯ ಸ್ವಾಗತ ದೊರೆಯಿತು .
3. ನೋಡಿ, ಚಪ್ಪಲಿಗಳನ್ನು ಒಂದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಬಿಡಬಾರದು.
4. ಈಗ ನಾನು ಉಳಿದುಕೊಂಡಿದ್ದೇನೆ. ಅಕಸ್ಮಾತ್ ಇಲ್ಲೇ ಉಳಿದು ಕೊಂಡರೆ ನಾನೇ ಕಳ್ಳತನವಾಗಿಬಿಡುತ್ತೇನೆ.

XI ईमान गुण के सामने सही चिह्न ( ) और बेईमान गुण के सामने गलत चिह्न ( ) लगाइए ।

1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. गलत 6. गलत 7. सही 8. गलत 9. गलत 10. सही 11. सही 12. गलत 13. गलत 14. गलत 15. सही 16. गलत 17. सही 18. सही 19. सही 20. सही

XII चित्र देखकर कहानी रचिए और उसके लिए एक उचित शीर्षक दीजिए ।

ईमानदारी

एक व्यक्ति ऑटो रिक्षा में उतरकर अपना ब्रीफकेस भूलकर चला गया । ऑटो ड्राइवर ने उस ब्रीफकेस देखा और उसे पुलीस स्टेशन में ले आकर दिया । पुलीस उस ब्रीफकेस को उसके मालिक को ढूँढकर उसे उन को दे दिए और उस ऑटो ड्राइवर को स्टेशन में सम्मान दिया गया ।

भाषा ज्ञान

I दिए गए निर्देशानुसार वाक्य बदलिए।

1. मेरे पास चप्पल नही है ।
2. एक बिस्तर की चादर गायब था ।
3. उसमें पैसे तो नही होगा ।
4. कोई उठा ले गए है ।
5. वह धूप का चश्मा लगायेंगे ।
6. सुबह मुझे लौटना होगा ।

II निम्न लिखित वाक्यों के आगे काल पहचानकर लिखिए ।

1. भूत काल
2. वर्तमान काल
3. भविष्यत काल
4. भूत काल
5. भूत काल

III इन कहावतों का अर्थ समझकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।

जैसे – जहाँ चाह वहाँ राह

अर्थ – इच्छा होने पर उसे पाने का मार्ग स्वयं मिल जाता है ।

वाक्य – यदि मनुष्य चाहे तो कठिन से कठिन कार्य को भी पूरा कर सकता है, क्योंकि जहाँ चाह वहाँ राह ।

1. गुरु गुड़ ही रहे, चेले शक्कर हो गये ।

अर्थ – छात्र गुरु से भी आगे बढ जाता है ।

वाक्य – अब्दुल कलाम की चतुराई से सब मालूम हो गया कि, गुरु गुड़ ही रहे, चेले शक्कर हो गये ।

2. जैसा देश, वैसा भेस ।

अर्थ – देश के लोग जैसे रहते है, उसी प्रकार उनका वेश भूषा होती है ।

वाक्य – हमारी संस्कृति देखकर विदेशी लोग कहते है कि, जैसा देश, वैसा भेस ।

3. निर्बल के बल राम ।

अर्थ – जो निर्बल होते है, उनके लिए भगवान ही बल देता है ।

वाक्य – गरीब लोग कहते है कि, निर्बल के बल राम ही है ।

4. बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ।

अर्थ – मूर्ख व्यक्ति को किसी वस्तु की मूल्य मालूम नही होता ।

वाक्य – सज्जन लोगों के बारे में कोई कुछ कह दे तो हम समझ लेना चाहिए कि, बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद ।

5. हाथी के दाँत खाने के और, दिखाने के और ।

अर्थ – कुछ लोग बोलते अलग है, लेकिन काम अलग करते है ।

वाक्य – मुखिया का काम ऐसे होती है कि, हाथी के दाँत दिखाने के और, दिखाने के और ।

07 – दुनिया में पहला मकान (डॉ. विजया गुप्ता) { **लेख** }

I एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **सिंगफो आदिवासी कहाँ रहते थे ?**
   सिंगफो आदिवासी पूर्वोत्तर भारत के ' गुफाओं में और पेडों ' के नीचे रहते थे ।
2. **सबसे पहले आदमी को मकान बनाना किसने सिखाया ?**
   सबसे पहले आदमी को मकान बनाना ' पशु–पक्षियों ' ने सिखाया ।
3. **मकान के बारे में पूछ–ताछ करने दोनों दोस्त कहाँ चल पडे ?**
   मकान के बारे में पूछ–ताछ करने दोनों दोस्त ' जंगल ' की ओर चल पडे ।
4. **दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले किससे हुई ?**
   दोस्तों की मुलाकात सबसे पहले ' हाथी ' से हुई ।
5. **दोस्तों ने क्या – क्या तय किया ?**
   दोस्तों ने तय किया कि, वे ' मकान ' बनाएँगे ।
6. **हाथी से उत्तर पाकर दोस्त किससे मिले ?**
   हाथी से उत्तर पाकर दोस्त ' साँप ' से मेले ।
7. **सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने क्या किया ?**
   सब जानवरों की बातें सुनकर दोस्तों ने ' मकान ' बनाया ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **लालिम और किंचा लालीदाम जंगल की ओर क्यों चल पड़े ?**
   लालिम और किंचा लालीदास दो दोस्तों ने तय किया कि वे मकान बनाएँगे । मुश्किल यह था कि वे नही जानते थे कि मकान कैसे बनाए जाते है, इसलिए वे पशुओं से पूछ–ताछ करने के लिए जंगल की ओर चल पड़े ।

2. **दोस्तों ने हाथी के साथ किसकी चर्चा की ?**
   दोस्तों ने हाथी के साथ मकान बनाने के बारे में चर्चा की । वे हाथी से जानना चाहते कि मकान कैसे बनाए जाते है ।
3. **हाथी ने दोस्तों को क्या उत्तर दिया ?**
   हाथी ने दोस्तों को उत्तर दिया कि "आगे की बात तो मैं नही जानता । मुझे रत्ती – भर भी पता नही ।"
4. **दोस्तों ने किन–किन जानवरों से मुलाकात की ?**
   दोस्तों ने "हाथी, साँप, भैंस, और मछली" से मुलाकात की ।

III चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **साँप ने दोस्तों को क्या सुझाव दिया ?**
   साँप ने दोस्तों को सुझाव दिया कि "ऐसा करो कि लकड़ी ऐसी पतली और लंबी काटो, जैसा मैं हूँ। दोस्तों ने पूछा , इसके बाद फिए क्या करना पड़ेगा ? साँप ने कहा आगे की बात मैं नही जानता । मुझे रत्ती भर पता नही ।"

2. **भैंस के पंजर से दोस्तों को क्या जानकारी मिली ?**
   भैंस के पंजर से दोस्तों को यह जानकारी मिली कि " जैसे भैंस के पंजर में चार पैरों पर हड्डियाँ पड़ी है, उसी तरह चार मोटे गोले ज़मीन में गाड़कर उन पर पतली और लंबी लकड़ियों से छप्पर का पंजर बनाना चाहिए ।"

सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

3. मछली ने दोस्तों के प्रश्न का क्या जवाब दिया ?

मछाली ने दोस्तों के प्रश्न का जवाब इस प्रकार दिया " आप लोग ज़रा मेरी पीठ की पट्टियाँ ध्यान से देख लो । फिर पेड़ों से बहुत–सी पत्तियाँ तोड़ लो । इन पत्तियों को छप्पर पर उसी तरह जमा दो, जैसी मेरी पीठ पर पट्टियाँ है ।"

IV अनुरूपता ।

1. पालतू जानवर 2. बिल 3. रेंगना 4. नासिका छिद्र

V अन्य वचन रूप लिखिए ।

1. कहानी – कहानियाँ
2. गुफा – गुफाएँ
3. पेड़ – पेड़
4. पत्ती – पत्तियाँ
5. हड्डी – हड्डियाँ
6. मछली – मछलियाँ
7. लकड़ी – लकडियाँ
8. पट्टी – पट्टियाँ
9. लोग – लोग
10. घर – घर

VI अन्य लिंग रूप लिखिए ।

1. आदमी – औरत
2. हाथी – हाथिनी
3. भैंस – भैंसा
4. शेर – शेरनी
5. मोर – मोरनी
6. बहन – भाई

VII विलोम शब्द लिखिए ।

1. बहुत * कम
2. दिन * रात
3. नीचे * ऊपर
4. मुश्किल * आसान
5. आगे * पीछे
6. मजबूत * कमज़ोर
7. लंबी * छोटी
8. पास * दूर
9. दोस्त * दुश्मन
10. काटना * जोड़ना

VIII जोड़कर लिखिए ।

1. तालाब – मछली
2. हाथी – पैर
3. भैंस – हड्डियाँ
4. पहला – मकान
5. सिंगफो – आदिवासी

IX रिक्त स्थान भरिए ।

1. पंजर 2. मछली 3. पट्टियाँ 4. मकान

X पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1. मकान – घर 2. पेड़ – वृक्ष 3. दोस्त – मित्र 4. भेंट – मुलाकात / उपहार

XI प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए ।

क्रिया पद — *प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया* — *द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया*

क्रिया पद	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
1. बनना	बनाना	बनवाना
2. गिरना	गिराना	गिरवाना
3. लगना	लगाना	लगवाना
4. सीखना	सिखाना	सिखवाना
5. करना	कराना	करवाना

XII सही शब्द चुनकर लिखिए ।

1. हाथी – जंगल
2. साँप – बिल
3. भैंस – पालतू जानवर
4. मछली – पानी
5. पक्षी – पेड़
6. बैलगाड़ी – गाँव

XIII कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

1. ಎಮ್ಮೆ ಗೆಳೆಯರಿಗೆ ಅಸ್ಥಿಪಂಜರವನ್ನು ತೋರಿಸಿತು.
2. ಸರ್ಪ ಹೇಳಿತು "ಮುಂದಿನ ವಿಷಯ ನನಗೆ ಗೊತ್ತಿಲ್ಲ."
3. ಆನೆಯು ಹೇಳಿತು , ಇದರಲ್ಲಿ ಏನು ಕಷ್ಟ ಇದೆ.
4. ಕೆರೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ದೊಡ್ಡ ಮೀನು ಈಜುತ್ತಿತ್ತು.

पाठ से आगे

I पालतू और जंगली जानवरों की सूची तैयार कीजिए ।

	पालतू जानवर		*जंगली जानवर*
1	कुत्ता	1	शेर
2	बिल्ली	2	बाघ
3	भैंस	3	हाथी
4	गाय	4	भालू
5	बैल	5	हिरन
6	घोड़ा	6	चीता
7	ऊँट	7	बंदर
8	गधा	8	लोमडी

II नीचे लिखे शब्दों के आधार पर लिखिए कि कौन क्या काम करता है ?

उदा	बढ़ई	लकड़ी का काम
1	कुम्हार	मिट्टी का काम
2	लुहार	लोहे का काम
3	सुनार	सोने का काम
4	जुलाहा	कपड़े का काम
5	दूकानदार	चीज़े बेचने का काम
6	हलवाई	मिठाई बनाने का काम
7	डॉक्टर	बिमारी लोगों की इलाज
8	अध्यापक	पढ़ाने का काम
9	सैनिक	देश की रक्षा करने का काम
10	किसान	खेती बारी काम

08 – रोबोट (डॉ. प्रदीप मुखोपाध्याय 'आलोक') { **कहानी** }

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **वर्षों से स्क्सेनाके परिवार में कौन काम कर रहा था ?**
   वर्षोंसे सक्सेना के परिवार में ' साधोराम ' काम रहा था ।
2. **धीरज सक्सेना किस कार्यालय में जा पहुँचे ?**
   धीरज सक्सेना ' रोबोटोनिक्स कॉरपोरेशन ' के कार्यालय में जा पहुँचे ।
3. **एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से क्या साफ कर रहा था ?**
   एक रोबोट वैक्यूम क्लीनर से ' दफ्तर के फर्श ' को साफ कर रहा था ।
4. **रोबोनिल की मुलाकात किससे हुई ?**
   रोबोनिल की मुलाकात ' रोबोदीप ' से हुई ।
5. **शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम लिखिए ?**
   शर्मा परिवार के कुत्ते का नाम ' झबरू ' था ।
6. **रोबोनिल और रोबोदीप किससे मिलने गए ?**
   रोबोनिल और रोबोदीप ' रोबोजीत ' से मिलने गए ।
7. **वैज्ञानिक लेखक का नाम लिखिए ?**
   वैज्ञानिक लेखक का नाम ' आइज़क आसिमोव ' है ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **साधोराम को क्या हुआ था ?**
   साधोराम अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई । उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा ।

2. **धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत क्यों थी ?**
   धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत इस लिए थी कि उनके नाती–पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए भी ।

3. **रोबोदीप ने रोबोनिल से क्या कहा ?**
   रोबोदीप ने रोबोनिल से कहा कि, तुम्हारे आने से पहले साधोराम नाम का सेवक सक्सेना परिवार में काम करता था, वह अब अस्पताल में है । सक्सेना बता रहे थे कि वह अब साधोराम की छुट्टी करनेवाले है ।

4. **रोबोनिल ने रोबोजीत को क्या समझाने की कोशिश की ?**
   रोबोनिल ने रोबोजीत को समझाने लगे कि धीरज सक्सेना के घर में पहले साधोराम नाम का सेवक काम करता था, वह अब अस्पताल में है । सक्सेना बता रहे थे कि वह अब साधोराम को थोड़ा मुआवज़ा देकर उनकी छुट्टी करनेवाले है ।

5. **कहानी को टाइप करते समय रोबोनिल को क्या हुआ ?**
   कहानी टाइप करके रोबोनिल की धात्विक और तारों भरे परिपंथ्वाली खोपड़ी में यकायक मानो नीली रोशनी हो गई ।

III पाँच–छः वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. धीरज सक्सेना ने घरेलू कामकाज के लिए रोबोट रखने का निर्णय क्यों लिया ?

धीरज सक्सेना के घर में पहले साधोराम नाम का सेवक काम करता था । अचानक एक दिन चलती बस से गिरकर उसे खतरनाक चोट आ गई वह अब अस्पताल में था । सक्सेना का परिवार बड़ा था । सक्सेना परिवार के लोग पूरी तरह साधोराम के काम पर निर्भर थे । घरेलू कामकाज करने के लिए उनको सेवक का ज़रूरत था । इस कारण धीरज सक्सेना रोबोट को कामकाज के लिए रखने का निर्णय लिया ।

2. रोबोनिल और रोबोदीप की मुलाकात का वर्णन कीजिए ।

रोबोनिल रोज़ शाम को शेरू को टहलाने के लिए ले जाता था । ऐसे में एक दिन उसकी मुलाकात रोबोदीप से हो गई । रोबोदीप उसी मोहल्ले में रहनेवाले शर्मा परिवार के कुत्ते झबरू को घुमाने आया करता था । दोनों रोबोटों के बीच दोस्ती हुई ।

3. विज्ञान कथा का सार लिखिए ।

विज्ञान कथा का सार इस प्रकार है – एक घर में नौकर किसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित था, उसे निकालकर उसकी जगह पर एक रोबोट को रख दिया जाता है । किसी तरह रोबोट को इस बात की जानकारी मिल जाती है तो वह 'रोबोटिक संघ' से संपर्क साधकर संघ को सारी बातों से अवगत कराता है । संघ रोबोटों की हड़ताल की घोषणा कर देता है । इससे उस नौकर को घर में फिर से नौकरी में रख लिया जाएगा ।

4. रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल क्यों मच गई ?

रोबोनिल और रोबोदीप 'रोबोटिक संघ' में जाकर धीरज सक्सेना के नौकर साधोराम के बारे में सब कुछ बता दिए । इन सब बातों को अध्यक्ष सुनकर संघ की कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक बुलाई । बैठक में तय हुआ कि सभी रोबोटिक कंपनियों के काम करनेवाले रोबोटों की हड़ताल का आह्वाहन कर दिया जाए । इस विषय सुनकर रोबोटिक कंपनियों के मालिकों के बीच हलचल मच गई ।

IV निम्नलिखित कारकों को चुनकर लिखिए ।

1. के 2. से 3. के 4. की 5. में

V जोडकर लिखिए ।

1. यह सुनकर काउंटर पर – बैठा रोबोट बोला ।
2. मगर, रोबोदीप, यह तो – रोबोटिकी के नियम के विरुद्ध है ।
3. शाम को रोबोनिल – और रोबोदीप मिले ।
4. दोनों के बीच कुछ – गुप्त मंत्रण हुई ।
5. सक्सेना परिवार रोबोनिल को – पाकर फूला नहीं समा रहा था ।

VI अन्य वचन रूप लिखिए ।

1. बेटा – बेटे
2. नाती – नातियाँ
3. कुत्ता – कुत्ते
4. छुट्टी – छुट्टियाँ
5. बेटियाँ – बेटी
6. पोता – पोते
7. कंपनियाँ – कंपनी
8. नौकरियाँ – नौकरी

VII अनुरूपता

1. रोबोदीप 2. साधोराम 3. बहुत खुश होना

भाषा ज्ञान

मुहावरें

जो वाक्यांश अपने सामान्य अर्थ को छोड़कर किसी विशेष अर्थ प्रकटा करता है तो, उसे मुहावरा कहते है ।

उदा– आँखे चुराना – अपने आप को छिपाना ।
आँखे दिखाना – डमकाना, डराना
अक्ल का अंधा – मूर्ख
आस्तीन का साँप – कपटी मित्र
कान भरना – चुगली करना

I उदाहर्ण के अनुसार मुहावरे लिखिए ।

1. शरीर के अंगों को लेकर
   - अ) अँगूठा दिखाना – साफ इनकार करना ।
   - आ) कंधे से कंधा मिलाना – मदद करना ।
   - इ) कमर कसना – तैयार होना ।
2. अंकों को लेकर
   - अ) नौ – दो ग्यारह होना – भाग जाना ।
   - आ) एक अनार सौ बीमार – वस्तु एक चाहनेवाले अनेक ।
   - ऑ)उन्नीस – बीस का अंतर – कम अंतर होना ।

II मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

1. आँख खुलना – होश आना ।
   = भगवान ने मेरा आँखे खुलवा दी ।
2. ईद का चाँद होना – बहुत दिनों के बाद दिखाई देना ।
   = मेरा दोस्त आजकल ईद का चाँद हो गया है ।
3. कान खड़े होना – सावधान होना ।
   = चूहों की आवाज़ सुनकर बिल्ली की कान खड़े हो जाते है ।
4. हवा से बातें करना – बहुत तेज़ दौड़ना ।
   = शेर को देखकर हिरन हवा से बातें करने लगता है ।
5. बात का धनी – वचन का पक्का ।
   = सत्य हरिश्चन्द्र बात का धनी है ।

III मुहावरों को सही अर्थ के साथ जोड़कर लिखिए ।

1. राहत की साँस लेना – चैन की साँस लेना / तसल्ली ।
2. पेट पर लात मारना – हानी पहुँचाना ॥
3. टस से मस न होना – विचलित न होता ।
4. फूला नही समाना – बहुत खुश होना ।
5. आँच आना – आश्चर्यचकित होना ।
6. अँगूठा दिखा देना – वक्त आने पर इनकार करना ।
7. हलचल मचाना – शोर मचाना ।
8. हाथों के तोते उड़ाना – नौकरी या सहूलियत छीनना ।

IV निम्न लिखित मुहावरों से वाक्य पूरा कीजिए ।

1. चिंगारियाँ सुलग
2. गुस्सा हवा
3. दाँतों तले उँगली दबाकर
4. भूचाल आ गया
5. साँस रोके
6. नौ दो ग्यारह

09 – महिला की साहस गाथा (संकलित) { **व्यक्ति परिचय** }

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. बिछेन्द्री पाल को कौन–सा गौरव प्राप्त हुआ है ?

बिछेन्द्री पाल को ' एवरेस्ट की चोटी ' पर चढ़नेवाली पहली भारतीय महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है ।

2. बिछेन्द्री के माता–पिता कौन थे ?

बिछेन्द्री के माता का नाम ' हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह ' था ।

3. बिछेन्द्री ने क्या निश्चय किया ?

बिछेन्द्री ने निश्चय किया कि ' उनके भाई तरह पर्वतारोहण करेगी । '

4. बिछेन्द्री ने किस ग्लेशियर पर चढ़ाई की ?

बिछेन्द्री ने ' गंगोत्री ग्लेशियर ' पर चढ़ाई की ।

5. सन 1983 में दिल्ली में कौन–सा सम्मेलन हुआ था ?

सन 1983 में दिल्ली में ' हिमालय पर्वतारोहियों ' का सम्मेलन हुआ था ।

6. एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ कौन थे ?

एवरेस्ट पर भारत का झंडा फहराते समय पाल के साथ पर्वतारोही ' अंग दोरजी ' थे ।

7. कर्नल का नाम क्या था ?

कर्नल का नाम ' खुल्लर ' था ।

8. ल्हाटू कौन–सी रस्सी लाया था ?

ल्हाटू ' नायलॉन ' की रस्सी लाया था ।

9. बिछेन्द्री ने थैले से कौन–सा चित्र निकाला ?

बिछेन्द्री ने थैले से ' हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ ' का चित्र निकाला ।

10. कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेन्द्री से क्या कहा ?

कर्नल ने बधाई देते हुए बिछेन्द्री से कहा कि ' देश को तुम पर गर्व है । '

11. मेजर का नाम क्या था ?

मेजर का नाम ' कुमार ' था ।

12. बिछेन्द्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने कौन–सा पदक देकर सम्मान किया ?

बिछेन्द्री को भारतीय पर्वतारोहण संघ ने प्रतिष्ठित ' स्वर्ण–पदक ' देकर सम्मान किया ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. बिछेन्द्री पाल के परिवार का परिचय दीजिए ।

बिछेन्द्री का जन्म एक साधारण भारतीय परिवार में हुआ था । उनके माता का नाम हंसादेई नेगी और पिता का नाम किशनपाल सिंह था । वे अपने माता पिता के पाँच संतानों में तीसरी संतान थी । बिछेन्द्री के बड़े भाई को पहाड़ों पर जाना अच्छा लगता था । इसी जज़्बे से बिछेन्द्री पर्वतारोहण का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया ।}

2. बिछेन्द्री का बचपन कैसे बीता ?

बिछेन्द्री का बचपन बहुत मुश्किल में बीता । बचपन में बिछेन्द्री रोज़ 5 किलोमीटर पैदल चल कर स्कूल जाता पड़ता था । सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी । इसी तरह उन्होंने संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त की ।

3. बिछेन्द्री ने पर्वतारोहण के लिए किन – किन चीज़ों का उपयोग किया ?

बिछेन्द्री ने पर्वतारोहण के लिए 'नायलॉन की रस्सी, ऑक्सीजन और फावड़े' का उपयोग किया था ।

4. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्द्री ने क्या किया ?

एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचकर बिछेन्द्री ने फावड़े से पहले बर्फ की खुदाई कर अपने आपको सुरक्षित रूप से स्थिर किया । इसके बाद अपने घुटनों के बल बैठी । बर्फ पर अपने माथे को लगाकर उन्होंने सागरमाथे के ताज का चुंबन किया । बिना उठे ही हनुमान चालीसा और दुर्गा माँ का चित्र निकालकर लाल कपड़े में लपेटा और छोटी – सी पूजा करके इनको बर्फ में दबा दिया ।

III चार – पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. बिछेन्द्री ने पहाड़ पर चढ़ने की तैयारी किस प्रकार की ?

बिछेन्द्री ने पहाड़ पर चढ़ने के लिए अनेक पहाडों पर चढ़कर अपने लक्ष्य को ताज़ी रखी । बिछेन्द्री ने एवरेस्ट चढ़ने के दिन सुबह चार बजे उठी , बर्फ पिघलाई और चाय बनाई । कुछ बिस्कुट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात वे लगभग साढ़े पाँच बजे अपने तंबू से निकल पड़ी ।

2. दक्षिणी शिखर पर चढ़तेसमय बिछेन्द्री के अनुभव के बारे में लिखिए ।

दक्षिणी शिखर पर चढ़ते समय बिछेन्द्री एक नायलॉन की रस्सी के सहारे शिखर पर चढ़े और आवश्यक चार लीटर ऑक्सीजन की अपेक्षा लगभग ढाई लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की दर से लेकर चढ़ रही थी । रेगुलेटर पर जैसे ही ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाई तो उनका कठिन चढ़ाई आसान लगने लगी ।

3. प्रस्तुत पाठ से क्या संदेश मिलता है ?

प्रस्तुत पाठ से यह संदेश मिलता है कि– साहस गुण, दृढ़ निश्चय, अथक परिश्रम, मुसीबतों का सामना करना इत्यादि आदर्श गुण सीख सकते है । इसके साथ हिमालय की ऊँची चोटियों की जानकारी भी प्राप्त करते है । इस पाठ से जान सकते है कि 'मेहनत का फल अच्छा होता है ।'

IV जोडकर लिखिए ।

1. गंगोत्री ग्लेशियर की चढ़ाई – 1982 ।
2. पर्वतारोहियों का सम्मेलन – 1983 ।
3. एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचना – 1984 ।

V अनुरूप शब्द लिखिए ।

1. शिखर 2. ग्लेशियर 3. कुमार 4. ठण्ड़ी 5. जुंके ताबी

VI स्त्री लिंग शब्द लिखिए ।

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
1. बाप	माँ
2. पुरुष	स्त्री / महिला
3. भाई	बहन
4. बेटा	बेटी
5. श्रीमान	श्रीमती

VII उदाहरण के अनुसार लिखिए ।

1. पढ़ + आई = पढ़ाई
2. चढ़ + आई = चढ़ाई
3. कठिन + आई = कठियाई
4. उँचा + आई = ऊँचाई
5. बढ़ + आई = बढ़ाई

VIII अन्य वचन लिखिए।

1. चट्टान – चट्टानें
2. रस्सी – रस्सियाँ
3. शीशा – शीशे
4. चोटी – चोटियाँ
5. चादर – चादरें

IX विलोम शब्द लिखिए।

1. आरोहण * अवरोहण
2. चढ़ना * उतरना
3. ठंडा * गरम
4. परिश्रम * आलस
5. सामने * पीछे

X समानार्थक शब्द लिखिए।

उदा – पहाड़ = गिरि – पर्वत

1. चोटी = शिखर – शिखा
2. सुबह = सवेरा – प्रात:
3. महिला = स्त्री – औरत
4. नज़दीक = पास – निकट

XI निम्न शब्दों में विशेषण तथा संज्ञा शब्दों को अलग – अलग कीजिए।

	शब्द	संज्ञा	विशेषण
उदा –	ऊँचा पर्वत	पर्वत	ऊँचा
1.	मधुर स्वर	स्वर	मधुर
2.	कर्कश आवाज़	आवाज़	कर्कश
3.	बड़ा साधु	साधु	बड़ा
4.	ठंडी हवा	हवा	ठंड़ी
5.	नायलॉन रस्सी	रस्सी	नायलॉन

XII अनेक शब्द के लिए एक शब्द दियेगो हैं; ढूँढकर लिखिए।

1. दुर्गम
2. मासिक
3. अमर
4. सच्चरित्र
5. प्रत्यक्ष
6. स्थाई
7. अक्षम्य
8. वनचर
9. पश्चात्य
10. कृतज्ञ

XIII कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए।

1. ಬಿಥೋವೆನ್ ಅವರ ಜನ್ಮ ಒಂದು ಸಾಧಾರಣ ಕುಟುಂಬದಲ್ಲಿ ಆಗಿತ್ತು.
2. ಬಿಥೋವೆನ್ ಅವರು ಪ್ರತೀ ದಿನ ನಡೆದುಕೊಂಡು ಶಾಲೆಗೆ ಹೋಗಬೇಕಾಗಿತ್ತು.
3. ದಕ್ಷಿಣ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ಗಾಳಿಯ ವೇಗ ಹೆಚ್ಚಾಗಿತ್ತು.
4. ಯಶಸ್ಸು ಬಹಳ ಹತ್ತಿರದಲ್ಲಿದೆ ಎಂದು ನನಗೆ ಅನಿಸಿತ್ತು.
5. ನಾನು ಎವರೆಸ್ಟ್ ಶಿಖರದ ಮೇಲೆ ತಲುಪಿದ ಭಾರತದ ಪ್ರಥಮ ಮಹಿಳೆ ಆಗಿದ್ದೆ.

10 – कर्नाटक – संपदा (संकलित) { **निबंध** }

विस्तृत रूप

1. एच.ए.एल – हिन्दुस्तान एरोनाटिकल लिमिटेड
2. एच.एम.टी – हिन्दुस्तान मशीन टूल्स
3. आइ.टी.आइ – इंडियन टेलिफोन इंडस्ट्रीस
4. बी.ई.एल – भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड
5. बी.एच.ई.एल – भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. पश्चिमी घाट किसे कहते है ?

कर्नाटक में ' **दक्षिण छोर से उत्तर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं** ' को पश्चिमी घाट कहते है ।

2. कर्नाटक में कौन–कौन से जलप्रपात है ?

कर्नाटक में ' **जोग, अब्बी, गोकाक और शिवन समुद्र** ' आदि जलप्रपात है ।

3. श्रवणबेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई कितनी है ?

श्रवण बेलगोल की गोमटेश्वर मूर्ति की ऊँचाई ' **57** ' फूट ऊँची है ।

4. किस नगर को सिलिकॉन सिटी कहा जाता है ?

' **बेंगलूर** ' नगर को सिलिकॉन सिटि कहा जाता है ।

5. भद्रावती के दो प्रमुख कारखानों के नाम लिखिए ।

भद्रावती में ' **कागज़, लोहे और इस्पात** ' के बडे कारखाने है ।

6. सेंट फिलोमिना चर्च किस नगर में है ?

सेंट फिलोमिना चर्च ' **मैसूर** ' नगर में है ।

7. विजापुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान कौन – सा है ?

विजापुर नगर का प्रमुख आकर्षक स्थान ' **गोलगुंबज़ की व्हिस्परिंग गैलरी** ' है ।

8. अरबी समुद्र कर्नाटक की किस दिशा में है ?

अरबी समुद्र कर्नाटक की ' **पश्चिम** ' दिशा में है ।

9. कर्नाटक की दक्षिण दिशा में कौन – सी पर्वतमालाएँ शोभायामान है ?

कर्नाटक की दक्षिण दिशा में ' **नीलगिरी** ' की पर्वतमालाएँ शोभायामान है ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ और जलप्रपात कौन–कौन से है ?

कर्नाटक की प्रमुख नदियाँ कावेरी, कृष्ण और तुंगभद्रा आदि है । कर्नाटक की जलप्रपात जोग, अब्बी, गोकाक, शिवनसमुद्र आदि है ।

2. कर्नाटक के किन साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त है ?

कर्नाटक के 8 साहित्यकारों को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है जैसे – कु.वेंपु, द.रा.बेन्द्रे, शिवराम कारंत, मास्ति वेंकटेश अय्यंगार, वि.कृ. गोकाक, यू.आर. अनंतमूर्ति, गिरीश कार्नाड और चन्द्रशेखर कंबार ।

3. बाँध और जलाशयों के क्या उपयोग है ?

कर्नाटक के प्रमुख नदियों को बाँध बनाए गए है । इनसे हज़ारों एकड ज़मीन सींची जाती है । इन नदियों के जलाशयों की सहायता से ऊर्जा उत्पादन केन्द्र स्थापित किए गए हैं जिनसे राज्य को ऊर्जा प्राप्त होती है ।

4. कनार्टक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम लिखिए ।

कर्नाटक के कुछ प्रमुख राजवंशों के नाम है – गंग, कदंब, राष्ट्रकूट, चालुक्य, होयसल, ओडेयर आदि । कर्नाटक के प्रसिद्ध राजा थे – कृष्णदेवराय, मदकरिनायक, रानी अब्ब्क्का, कित्तूर रानी चेन्नम्मा, टिप्पू सुल्तान, आदिलशाह आदि है ।

5. बेंगलूर में कौन–कौन सी बृहत संस्थाएँ है ?

बेंगलूर में भारतीय विज्ञान संस्थान, एच.ए.एल, एच.एम.टी, आइ.टी.आइ, बी.एच.ई.एल आदि बृहत संस्थाएँ है ।

III चार–पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. कर्नाटक के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।

प्रकृतिमाता ने कर्नाटक राज्य को अपने हाथों से सँवारकर सुन्दर और समृद्ध बनाया है । कर्नाटक की प्राकृतिक सुष्मा नयन मनोहर है । पश्चिम में विशाल अरबी समुद्र लहराता है । इसी प्रांत में दक्षिण से उत्तर के छोर तक फैली लंबी पर्वतमालाओं को पश्चिम घात कहते है । इन्हीं घाटों का कुछ भाग सह्याद्री कहलाता है । दक्षिण में नीलगिरी की पर्वतावलियाँ शोभायमान है ।

2. कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए ।

कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है । बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लू के मंदिरों की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है । बेलूर, हलेबीडू, सोमनाथपुर के मंदिरों की मूर्तियाँ रामायण, महाभारत और पुराणों की कहानियाँ सुनती है । श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की शिला मूर्ति दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है ।

3. कर्नाटक के साहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है ?

कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलाया है । वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लम प्रभु, सर्वज्ञ जैसे संतों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है । आधुनिक काल के डॉ. चन्द्रशेखर कंबार, गिरीष कार्नाड आदि प्रसिद्ध साहित्यकार है । इस तरह कन्नड भाषा तथा संस्कृति कर्नाटक के लिए गौरव है ।

IV कोष्टक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए ।

1. चंदन 2. शांति 3. वैभव 4. कीर्ति

V कन्नड या अंग्रेज़ी में अनुवाद कीजिए ।

1. ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಭಾಷೆಯನ್ನು ಮಾತನಾಡುತ್ತಾರೆ ಹಾಗೂ ಇದರ ರಾಜಧಾನಿ ಬೆಂಗಳೂರು ಆಗಿದೆ.
2. ಕರ್ನಾಟಕದಲ್ಲಿ ಚಂದನದ (ಗಂಧದ) ಮರಗಳು ಹೆಚ್ಚಿನ ಸಂಖ್ಯೆಯಲ್ಲಿವೆ.
3. ಜಗನ್ಮೋಹನ ರಾಜಮಹಲಿನಲ್ಲಿರುವ ಪುರಾತನ ವಸ್ತು ಸಂಗ್ರಹಾಲಯವು ಅತ್ಯಂತ ಆಕರ್ಷಣೀಯವಾಗಿದೆ.
4. ವಚನಕಾರರಾದ ಬಸವಣ್ಣರವರು ಕ್ರಾಂತಿಕಾರಿ ಸಮಾಜ ಸುಧಾರಕರಾಗಿದ್ದಾರೆ.

VI नमूने के अनुसार इन शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

पर्वत = अद्रि – पहाड़ – गिरि

1. सागर = समुद्र – जलधि – सिन्धु
2. आगर = खजाना – घर – अलय
3. जल = पानी – वारि – नीर
4. आकाश = गगन – आसमान – नभ

VII विलोम शब्द लिखिए ।

1. कुरूप 2. स्वदेश 3. अनादि 4. निर्जीव 5. दुराचार 6. निर्यात

VIII उदाहरण के अनुसार बहु वचन रूप बनाना सीखिए ।

संधि – संधियाँ

1. मूर्तियाँ 2. उपलब्धियाँ 3. कृतियाँ 4. नीतियाँ 5. संस्कृतियाँ 6. पद्धतियाँ

IX वेच्छेद कर संधि का नाम लिखिए ।

1. दिक + गज = व्यंजन संधि
2. पर्वत + आलय = दीर्घ संधि
3. संग्रह + आलय = दीर्घ संधि
4. जल + आशय = दीर्घ संधि
5. जगत + मोहन = व्यंजन संधि
6. सत + आचार = व्यंजन संधि
7. अति + अंत = यण संधि

X विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए ।

1. देश और विदेश = द्वन्द्व समास
2. जल से प्रपात = तत्पुरुष समास
3. राजा का वंश = तत्पुरुष समास
4. राजा का महल = तत्पुरुष समास

XII (A) ***सही विकल्प को रेखांकित कीजिए ।***

1. कर्नाटक – आन्ध्रा प्रदेश 2. चाउंडराय 3. कुवेंपु 4. गोविंद पै

XII (B) अर्थ समझिए और वाक्य में प्रयोग कीजिए।

1. तक – वहाँ तक = मैं शाम 10 बजे तक पढता हूँ ।
   थक – सुस्त = मैं काम करते करते थक जाता हूँ ।
2. छोर – किनारा = समुद्र का छोर बहुत सुंदर होता है ।
   चोर – चोरी करनेवाला = चोर चोरी करता है ।
3. बात – बोलना = मेरे दोस्तों के साथ मैं बात करना चाहता हूँ ।
   भात – चावल = मुझे बिसी बेले बात बहुत पसंद है ।
4. और – तथा = राम और लक्ष्मण भाई है ।
   ओर– किनारा = मैं स्कूल की ओर जा रहा हूँ ।

XIII अनुरूपता ।

1. सह्याद्रि पर्वतमालाएँ
2. सिलिकॉन सिटी
3. भारत रत्न
4. चंदन का तेल – साबून
5. जल प्रपात
6. वास्तुकला
7. आर्ट गैलरी
8. राजवंश
9. भक्त कवि
10. आधुनिक कवि

I दिए–गए सही कारक चिह्न रिक्त स्थान में भरिए और इस अनुच्छेद के लिए उचित शीर्षक दीजिए ।

1. से 2. पर 3. में 4. में 5. का 6. को 7. का 8. की 9. का 10. ने 11. के 12. के 13. के 14. के 15. का 16. के 17. पर 18. को 19. से 20. को

11 – बाल शक्ति (जगतराम आर्य) { लघु नाटिका }

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **कौन – कौन कंचे खेल रहे थे ?**
   ' रामू और श्यामू ' कंचे खेल रहे थे ।
2. **खेल में कौन सदा बेईमानी करता है ?**
   खेल में ' रामू ' सदा बेईमानी करता है ।
3. **रामू को स्कूल जाने के लिए कौन कहता है ?**
   रामू को स्कूल जाने के लिए ' मोहन ' कहता है ।
4. **रामू ने किस विषय का गृह – कार्य नहीं किया था ?**
   रामू ने ' गणित ' विषय का गृह – कार्य नही किया था ।
5. **हमें किस उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ?**
   हमें ' छोटी ' उम्र में अच्छी आदतें डालनी है ।
6. **रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी किसने ली ?**
   रामू को टोली में लाने की जिम्मेदारी ' संजय ' ने ली ।
7. *टोली का मुखिया कौन बना ?*
   टोली का मुखिया ' मोहन ' था ।
8. **बच्चों की तारीफ किसने की ?**
   बच्चों की तारीफ ' कलेक्टर साहब ' ने की ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **रामू में कौन – कौन सी बुरी आदतें थीं ?**
   रामू बहुत सारी बुरी आदतें थी जैसे खेल में बेईमानी करना, झूठ बोलना, आलसी इसी कारण वह गृह कार्य भी नही करता था ।
2. **गाँव की सफाई के लिए बालक क्या काम करते हैं ?**
   गाँव की सफाई के लिए गाँव की गंदगी दूर करके सफाई करने के लिए बालक हर रोज़ एक घंटा गाँव को स्वच्छ बनाने का निश्चय किए । गाँव को हरा भरा रखने के लिए गाँव के चारों तरफ पेड़ – पौधे लगाने को तय किए ।
3. **गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता हैं ?**
   गाँव को साफ – सुथरा रखने से, गाँव के लोगों को एक नया जीवन प्रदान करने से, गाँव में पेड़–पौधे लगाकर हरा–भरा करने से और विशेष रूप से गाँव में स्वच्छ वतावरण उत्पन्न करने से गाँव को आदर्श गाँव बनाया जा सकता है ।
4. **कलेक्टर साहब ने बच्चों की बड़ाई में क्या कहा ?**
   गाँव को साफ–सुथरा देखकर कलेक्टर बहुत खुश हुए और वे कहते है कि गाँव को इन बच्चों ने एक नया जीवन प्रदान किए है । इन बच्चों की जितनी बड़ाई की जाए उतनी ही कम है । इन सबने मिलकर गाँव को स्वच्छ वातावरण दिया है । बाल–शक्ति के कारण गाँव एक आदर्श गाँव बन गया है । सरकार की तरफ से 'बाल–शक्ति' टोली को पाँच हज़ार रुपये दिए ।
5. **पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन क्या सोचता है ?**
   पाँच हज़ार रुपये मिलने पर मोहन सोचता है कि ये रुपये हम प्रधानाध्यापक जी को दे देंगे । स्कूल के पुस्तकालय में गरीब बच्चों के लिए हम पुस्तकों का प्रबंध करेंगे ।

III मिलान कीजिए ।

1. बेईमानी करनेवाला – रामू ।
2. टोली का नाम – बाल–शक्ति ।
3. इनाम के रुपये – पाँच हज़ार ।
4. टोली का मुखिया – मोंहन ।
5. ये गाँव के सपूत हैं – बुजुर्ग ।

IV खाली जगह भरिए ।

1. कंचे
2. गणित
3. आदतें
4. रामू
5. सफाई
6. निश्चि
7. आदर्श

V शब्द लड़ी बनाइए ।

जैसे : कंचा – चारू – रुपया – यार – रमा (अंतिम वर्ण से एक नया शब्द)

1. बालक – कमल – लडका – काम – मकान
2. गाँव – वचन – नयन – नवीन – नर
3. टोली – लीला – लात – तराज़ू – जूता
4. फलदार – रकम – महल – लगाम – मछली
5. श्याम – मच्छर – राज़ – ज़मीन – नाराज़

VI विलोम शब्द लिखिए ।

उदा – अपना * पराया

1. रात * दिन
2. आदि * अंत
3. आयात * निर्यात
4. आय * व्यय
5. उल्टा * सीधा
6. हानी * लाभ
7. तोड़ * जोड़
8. थोड़ा * ज्यादा
9. उतार * चढ़ाव

VII ' बेईमानी' ईमानी का विलोम शब्द है । ' ईमान' शब्द से पहले ' बे' प्रत्यय जोड़ने से यह शब्द बना है । इसी तरह ' अप, अन, कु, बद, उपसर्गों (प्रत्यय) को जोड़कर पाँच – पाँच शब्द बनाइए ।

1. अप – अपमान – अपकीर्ति – अपकार – अपस्वर – अपवित्र
2. अन – अनगिनत – अनदेखा – अनपढ़ – अनावश्यक – अनजान
3. कु – कुरूप – कुलवधु – कुख्यात – कुलाल – कुसुम
4. बद – बदनाम – बद्बू – बद्दुआ – बदनाम – बदनसीब

VIII ' न' को अंतिम अक्शर के रूप में प्रयोग कर शब्द रचिए ।

नमूना – जन – मन

1. तन
2. धन
3. घन
4. सुन
5. ऊन
6. खून
7. कान
8. मान
9. जान
10. आन
11. खान
12. पान

IX अर्थपूर्ण वाक्य बनाइए ।

जैसे – श्यामू कंचा खेलता है ।

1. श्यामू इनाम लेता है ।
2. श्यामू कंचा लेता है ।
3. कलेक्टर साहब इनाम देते है ।
4. कलेक्टर साहब टोली बनाते है ।
5. कलेक्टर साहब कंचा देते है ।
6. मोहन इनाम लेता है ।
7. मोहन कंचा खेलता है ।
8. बालकों की टोली बनती है ।
9. बालक इनाम लेता है ।
10. बालक कंचा खेलता है ।

भाषा ज्ञान

I व्यक्ति वाचक और जातिवाचक संज्ञाओं को पहचानिए ।

व्यक्ति वाचक	*जातिवाचक*
श्यामू	मुखिया
मोहन	कलेक्टर
मनोज	गाँव
रामू	बाल शक्ति
	बालक
	गुरूजी

II उदाहरण के अनुसार विग्रह कर समास पहचानिए ।

1. कमीज़ – पकड़ना
2. पेड़ – लगाना
3. रुपये – दे
4. कंचा – डाल
5. गुस्सा – छोड़
6. सच – बोल
7. बात – मान
8. कूड़ा – डाल

– पद्य भाग –

1. *मातृभूमि* *(भगवतीचरण वर्मा)* **(कंठस्थ)**

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **कवि किसे प्रणाम कर रहे है ?**
   कवि " **मातृभूमि** " को प्रणाम कर रहे है ।
2. **भारत माँ के हाथों में क्या है ?**
   भारत माँ के एक हाथ में " **न्याय का पताका और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप** " है ।
3. **आज माँ के साथ कौन है ?**
   आज माँ के साथ " **कोटी–कोटी लोग** " है ।
4. **सभी ओर क्या गूँज उठा है ?**
   सभी ओर " **जय हिन्द** " नारा गूँज उठा है ।
5. **भारत के खेत कैसे है ?**
   भारत के खेत " **हरे भरे** " है ।
6. **भारत भूमि के अंदर क्या–क्या भरा हुआ है ?**
   भारत भूमि के अंदर " **खनिजों का व्यापक धन** " भरा हुआ है ।
7. **सुख–संपत्ति, धन–धाम को माँ कैसे बाँट रही है**
   सुख–संपत्ति, धन–धाम को माँ " मुक्त हस्त " से बाँट रही है ?
8. **जग के रूप बदलने के लिए कवि किससे निवेदन करते है ?**
   जग के रूप बदलने के लिए कवि सब " **भारत वासियों** " से निवेदन करते है ।
9. **जय–हिन्द का नाद कहाँ–कहाँ पर गूँजना चाहिए ?**
   जय–हिन्द का नाद " **सकल नगर और ग्राम** " में गूँजना चाहिए ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **भारत माँ के प्रकृति–सौंदर्य का वर्णन कीजिए ।**

कवि भगवती चरण वर्माजी भारत माँ के प्रकृति–सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहते है कि, भारत में हरे–भरे खेत सुन्दर है । फल–फूलों से भरा हुआ वन और उपवन है । भारत के भूमि के अंदर खनिजों का व्यापक धन है । मुक्त हस्त से भारत माँ सभी को सुख–संपत्ति , धन–धाम बाँट रही है ।

2. **मातृभूमि का स्वरूप कैसे सुशोभित है ?**

कवि भारत माता के स्वरूप के बारे में कहते है कि, भारत माता के एक हाथ में न्याय का पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है । इन दोनों के सहायता से जग का रूप बदल दें माँ , कोटि–कोटि भारत वासी आज तेरे साथ है । भारत के सकल नगर और ग्राम में जय हिन्द का नाद गूँजना चाहिए ।

III अनुरूपता ।

1. उपन्यास 2. युग्म 3. ज्ञान दीप 4. झण्डा

IV जोडकर लिखिए ।

1. तेरे उर में शायित – अ) गाँधी, बुद्ध और राम ।
2. फल–फूलों से युत – आ) वन उपवन ।
3. एक हाथ में – इ) न्याय – पताका ।
4. कोटि–कोटि हम – ई) आज साथ में ।
5. मातृ–भू – उ) शत–शत बार प्रणाम ।

V रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए ।

1. शत–शत
2. सोए हुए
3. फल–फूलों
4. मुक्त
5. जय–हिन्द

VI भावार्थ लिखिए ।

कवि भारत माता के स्वरूप के बारे में कहते है कि, भारत माता के एक हाथ में न्याय का पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है । इन दोनों के सहायता से जग का रूप बदल दें माँ , कोटि–कोटि भारत वासी आज तेरे साथ है । भारत के सकल नगर और ग्राम में जय हिन्द का नाद गूँजना चाहिए ।

2. *अभिनव मनुष्य* – *(रामधारी सिंह 'दिनकर')*

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **आज की दुनिया कैसी है ?**
   आज की दुनिया " **विचित्र और नवीन** " है ।
2. **मानव के हुक्म पर क्या चढ़ता और उतरता है ?**
   मानव के हुक्म पर " **पवन का ताप** " चढ़ता और उतरता है ।
3. **परमाणु किसे देखकर काँपते है ?**
   परमाणु " **मानव के करों** " को देखकर काँपते है ।
4. **'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम लिखिए ।**
   'अभिनव मनुष्य' कविता के कवि का नाम " **रामधारी सिंह 'दिनकर' जी** " है ।
5. **आधुनिक पुरुष ने किस पर विजय पायी है ?**
   आधुनिक पुरुष ने " **प्रकृति** " पर विजय पायी है ।
6. **नर किन–किन को एक समान लाँघ सकता है ?**
   नर " **नदि, सागर, पर्वत** " को एक समान लाँघ सकता है ।
7. **आज मनुज का यान कहाँ जा रहा है ?**
   आज मनुज का यान " **गगन** " में जा रहा है ।

II दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

***1.* 'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' इस पंक्ति का आशय आशय समझाइए ।**

'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' इस पंक्ति का आशय यह है कि, आज मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है और प्रकृति पर मानव सवार है एवं प्रकृति को अपने नियंत्रण में रखा है ।

***2.* दिनकरजी के अनुसार मानव–मानव के सही परिचय क्या है ?**

दिनकरजी के अनुसार मानव–मानव के बीच स्नेह स्नेह का बाँधना और एक मानव दूसरे मानव से प्रेम का रिश्ता जोड़कर आपस की दूरी को मिटाए वही मानव कहलाने का अधिकारी है । यही मानव का सही परिचय है ।

***3.* इस कविता का दूसरा कौन–सा शीर्षक हो सकता है ? क्यों ?**

इस कविता का दूसरा शीर्षक 'आधुनिक युग' दे सकते है । क्यों कि, मनुज ने आज प्रकृति के हर तत्व पर विजय पायी है, लेकिन मानव के संबंध को भुला बैठा है । आज मानव सब कुछ कर सकता है लेकिन मानव के आपस के प्रेम को समझने नही हुआ है ।

III भावार्थ लिखिए ।

कवि दिनकरजी यह कहना चाहते है कि, यह मानव सृष्टि को शृंगार किया है । ज्ञान का विज्ञान का प्रकाश का आगार है । आकाश से पाताल तक सब कुछ इसे ज्ञान है । पर, यह मनुज का परिचय नही है और यह न उसका श्रेय भी है ।

IV उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए ।

उदा – नवीन – असीन

1. भाप – ताप
2. व्यवधान – सावधान
3. शृंगार – आगर
4. ज्ञेय – श्रेय
5. जीत – प्रीत

VI पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

1. दुनिया – संसार – जगत
2. विचित्र – अजीब – गज़ब
3. नवीन – नया – नव
4. नर – पुरुष – आदमी
5. वारि – जल – पानी
6. कर – हाथ – हस्त
7. आगर – घर – गृह

VII विलोम शब्द लिखिए ।

1. आज * कल
2. नवीन * प्राचीन
3. पुरुष * स्त्री
4. नर * नारी
5. चढ़ता * उतरता
6. समान * असमान
7. ज्ञान * अज्ञान
8. जीत * हार
9. असीमित * सीमित
10. तोड़ * जोड़

VIII एक शब्द लिखिए ।

जैसे – सभी जगहों में – सर्वत्र

1. आसन पर बैठा हुआ – आसीन
2. बचा हुआ – शेष
3. मनु की संतान – मनुज
4. विशेष ज्ञान – विज्ञान
5. अधिक विद्या प्राप्त – विद्वान

IX अनुरूपता शब्द लिखिए ।

1. जल 2. सागर 3. पाताल 4. छाती

3. तुलसी के दोहे (तुलसीदास) (कंठस्थ)

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **तुलसीदास मुख को क्या मानते है ?**
   तुलसीदास मुख को " *मुखिया* " मानते है ।
2. **मुखिया को किसके समान रहना चाहिए ?**
   मुखिया को " **मुँह** " के समान रहना चाहिए ।
3. **हंस का गुण कैसा होता है ?**
   हंस का गुण **" पानी छोडकर सिर्फ दूध** " पीने का गुण होता है ।
4. **मुख किसका पालन–पोषण करता है ?**
   मुख " **शरीर के सारे अंगों** " का पालन–पोषण करता है ।
5. **दया किसका मूल है ?**
   दया " **धर्म** " का मूल है ।
6. **तुलसीदासजी किस शाखा के कवि है ?**
   तुलसीदासजी " **भक्तिकाल की रामभक्ति** " शाखा के कवि है ।
7. **तुलसीदासजी के माता–पिता का नाम था ?**
   तुलसीदासजी के "**माता का नाम हुलसी और पिता का नाम आत्माराम** " था ।
8. **तुलसीदासजी के बचपन का नाम क्या था ?**
   तुलसीदासजी के बचपन का नाम " **रामबोला** " था ।
9. **पाप का मूल क्या है ?**
   पाप का मूल " **अभिमान (अहंकार)** " है ।
10. **तुलसीदासजी के अनुसार विपत्ति के साथी कौन है ?**
    तुलसीदासजी के अनुसार विपत्ति के साथी " **विद्या, विनय और विवेक** " है ।

II दो–तीन वाक्यों मे उत्तर लिखिए ।

1. **मुखिया को मुख के समान होना चाहिए क्यों । कैसे ?**

तुलसीदासजी कहते है कि, मुखिया(नेता) मुख (मुँह) के समान होना चाहिए। जिस प्रकार मुँह खाने–पीने की काम केवल अकेला ही करता है, लेकिन उससे शरीर के सकल अंगों का पालन–पोषण होता है । उसी तरह मुखिया काम अपने तरीखे से करना चाहिए । लेकिन उस काम का फल सभी को मिलना चाहिए ।

2. **मुखिया को हंस की तरह क्या करना चाहिए ?**

तुलसीदासजी कहते है कि, भगवान इस जगत में जड़–चेतन, गुण–दोष,(अच्छे–बुरे) आदि मिलाकर बनाया गया है । लेकिन जिस प्रकार हंस पक्षी पानी को छोडकर सिर्फ दूध को पीती है, उसी तरह हंस रूपि साधु लोग बुराईयों को छोडकर अच्छा गुणों को अपनाना चाहिए ।

3. **दया और पाप का मूल के बारे में तुलसीदासजी क्या कहते है ?**

तुलसीदासजी कहते है कि, धर्म का मूल दया है और पाप का मूल अभिमान (अहंकार) है । इस कारण जब तक हमारे शरीर में प्राण है तब तक मानव को अपना अभिमान छोडकर दयालु बनना चाहिए ।

4. **तुलसीदासजी अनुसार विपत्ति के साथी कौन है ?**

तुलसीदासजी कहते है कि, मनुष्य पर जब विपत्ति पडती है । तब उसकी विद्या, विनय और विवेक ही उसका साथ निभाता है, और तुलसीदासजी यह भी कहते है कि, जो राम पर भरोसा करता है, वह साहसी, सत्यवान और अच्छे काम करने वाला बनता है ।

5. मनुष्य के जीवन में चारों ओर प्रकाश कब फैलता है ?

तुलसीदासजी कहते है कि, जिस तरह देहरी पर दिया रखने से घर के अंदर और बाहर आँगन में प्रकाश फैलता है , उसी प्रकार राम–नाम जपने से मानव आंतरिक और बाह्य रूप से शुद्ध बनता है ।

III अनुरूपता

1. मूल अभिमान 2. मुहँ 3. देहलीज़

VI जोड़कर लिखिए ।

अ		*ब*
1. विश्व कीन्ह	–	करतार
2. परिहरि वारि	–	विकार
3. जब लग घट	–	में प्राण
4. सुसत्यव्रत	–	राम भरोसो एक

VII पूर्ण कीजिए ।

1. मुखिया मुख सों चाहिए, <u>खान</u> <u>पान को</u> <u>एक</u> ।
2. पालै पोसै सकल अंग, <u>तुलसी</u> <u>सहित</u> <u>विवेक</u> ।
3. राम नाम मनि दीप धरू, <u>जीह</u> <u>देहरी</u> <u>द्वार</u> ।
4. तुलसी भीतर बहिरौ, <u>जो</u> <u>चाहसी</u> <u>उजियार</u> ॥

VIII उचित विलोम शब्द पर सही (√) का निशान लगाइए ।

1. विवेक	–	सेवक	=	अविवेक	=	(√)
2. दया	–	निर्दया	= (√)	शुभोदया	=	
3. धर्म	–	मर्म	=	अधर्म	=	(√)
4. विकार	–	अविकार	= (√)	संस्कार	=	
5. विनय	–	सविनय	=	अविनय	=	(√)

4. समय की पहचान (सियारामशरण गुप्त)

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. **कवि के अनुसार मनुष्य को सुख कब नही मिलता ?**
   कवि के अनुसार मनुष्य को ' समय को नष्ट करने से ' सुख नही मिलता है ।
2. **बहाने बनाने का प्रमुख कारण क्या है ?**
   बहाने बनाने का प्रमुख कारण ' आलस ' है ।
3. **समय किसका दिया हुआ अनुपम धन है ?**
   समय ' भगवान / ईश ' दिया हुआ अनुपम धन है ।
4. **कवि किस पर विश्वास करने को कहते है ?**
   कवि अपनी ' आत्मा ' पर विश्वास करने को कहते है ।
5. **समय के खोने से क्या होता है ?**
   समय के खोने से व्यक्ति को ' पछताना ' पड़ता है ।

II दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. **मनुष्य के लिए सुख की प्राप्ति कब संभव है ?**
   मनुष्य को समय नष्ट ना करने से, आलस और बहाना बनाना छोडकर मेहनत से काम करने से सुख की प्राप्ति होति है ।
2. **समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?**
   काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जा ने न देने से और समय को सच्चा साथी बना लेना ही समय का सदुपयोग कर लेना है ।
3. **कविता के अंतिम चार पंक्तियों में कवि क्या कहना चाहते है ?**
   कवि सियारामशरण गुप्तजी कहते है कि, जो काम करते है उसे मन लगाकर करो, दिल में विश्वास रखो, संदेह को दूर करो । ऐसा अच्छा समय कब तुम्हे मिलता है । अब का समय खोकर आगे बहुत पछताओगे ।

III निम्न लिखित शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए ।

1. करो अभी 2. चक्रवर्ती 3. शुभ 4. सर्वथा

IV अनुरूपता ।

1. लाभ 2. भगा दो 3. लिया 4. पाना

V जोडकर लिखिए ।

1. उद्योगी – सुसमय ।
2. आलस – बहाना ।
3. जीवन – पल–पल ।
4. समय – अनुपम धन ।
5. द्रव्य – समता ।

VI *उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए ।*

उदा – जाता – पाता

1. बहाने – जाने
2. समता – चिंता
3. धन – जीवन
4. लगा दो – भगा दो
5. जानो – मानो
6. पाओगे – पछताओगे

VII *नीचे दिये गए शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए ।*

1. चकरवरती – चक्रवर्ती
2. चिता – चिंता
3. नश्ट – नष्ट
4. अलस – आलस
5. सरवथा – सर्वथा
6. सयम – संयम

VIII *उदाहरण के अनुसार शब्द लिखिए ।*

उदा = समय – सुसमय

1. पुत्र – सुपुत्र
2. फल – सुफल
3. मन – सुमन
4. योग्य – सुयोग्य
5. यश – सुयश
6. नाद – सुनाद
7. मति – सुमती

X (A) *अपने अध्यापक की सहायता से इसे पूर्ण कीजिए ।*

1. एक पहर = 3 घंटे
2. एक दिन = 24 घंटे
3. एक सप्ताह = 7 दिन
4. एक पक्ष = 15 दिन
5. एक मास = 30 दिन
6. एक साल = 365 दिन

X (B) *तालिका में महीनों का नाम लिखिए और 30 दिन आनेवाले महीनों में हरा रंग, 31 आनेवाले महीनों में पीला रंग, 28/29 आनेवाले महीने में लाल रंग भरिए ।*

28/29 दिन आनेवाले महीनें	*30 दिन आनेवाले महीनें*	*31 दिन आनेवाले महीनें*
फरवरी	अप्रिल	जनवरी
	जून	मार्च
	सितंबर	मई
	नवंबर	जुलाई
		अगस्थ
		अक्तूबर
		दिसंबर

5. सूर–श्याम – (सूरदास)

I एक–एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. सूर–श्याम पद के रचयिता कौन है ?

सूर–श्याम पद के रचयिता " **सूरदास*जी*** " है ।

2. कृष्ण की शिकायत किसके प्रति है ?

कृष्ण की शिकायत " **बलराम के प्रति** " है ।

3. यशोदा और नंद का रंग कैसा था ?

यशोदा और नंद का रंग " **गोरा** " था ।

4. चुटकी दे–देकर हँसनेवाले कौन थे ?

चुटकी दे–देकर हँसनेवाले " **ग्वाल** " दोस्त थे ।

5. यशोदा किसकी कसम खाती है ?

यशोदा " **गोधन** " की कसम खाती है ।

6. बालकृष्ण किससे शिकायत करता है ?

बालकृष्ण " **यशोदा** " से शिकायत करता है ।

7. बलराम के अनुसार किसे मोल लिया गया है ?

बलराम के अनुसार " **कृष्ण** " को मोल लिया गया है ।

8. बालकृष्ण का रंग कैसा था ?

बालकृष्ण का रंग " **काला** " है ।

II दो–तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. कृष्ण बलराम के साथ खेलने क्यों नही जाना चाहता ?

बलराम कृष्ण को चिढ़ाता रहता है कि, तुम काला हो और यशोदा तुम्हे जन्म नही दिया है बल्कि मोल को लिया है । क्योंकि यशोदा और नंद गोरे है, तू काला है । इस कारण सभी दोस्त चुटकी दे–देकर हँसते है । इस कारण कृष्ण बलराम के साथ खेलने नही जाना चाहता था ।

2. बलराम कृष्ण के माता–पिता के बारे में क्या कहता है ?

बलराम कृष्ण के माता–पिता के बारे में कहता है कि, तुम्हारी माता यशोदा नही है क्योंकि यशोदा और नंद तो गोरे है , तुम काले हो । तुम्हे यशोदा जन्म नही दिया है बल्कि मोल को लिया है ।

3. कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति क्यों नाराज़ है ?

कृष्ण अपनी माता यशोदा के प्रति नाराज़ है क्योंकि, यशोदा हमेशा कृष्ण को ही मारती है, और भाई बलराम पर कभी गुस्सा नही करती और मारती भी नही ।

4. बालकृष्ण अपनी माता से क्या–क्या शिकायत करता है ?

बालकृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि, बलराम मुझे काला कहकर पुकारता है । मुझे मोल लिया है ऐसा कहता है और सब ग्वाल दोस्त मुझे चुटकी दे देकर छिडाते है ।

5. यशोदा कृष्ण के क्रोध को कैसे शांत करती है ?

यशोदा कृष्ण को सांत्वना करती हुई कहती है कि, बलराम जन्म से ही चुगलखोर है और मैं गोधन कसम खाकर कहती हूँ कि तू मेरा बेटा है और मैं ही तेरी माँ हूँ ।

III चार – छः वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

सूरदास अपने पद में बालकृष्ण की बचपन के बारे में कहते हुए कहते है कि, कृष्ण अपनी माता के पास जाकर अपने भाई बलराम के प्रति शिकायत करता है कि, बलराम के साथ मै खेलने नही जाता क्योंकि, बलराम सब ग्वाल दोस्तों के साथ मिलकर तू नंद और यशोदा के पुत्र नही हो तुम्हे मोल को लिया गया है। क्योंकि नंद और यशोदा दोनो गोरे है तू काला है, ऐसा चिढाता है सब ग्वाल दोस्त मुझे चुटकी दे–देकर मुझे चिढाते है। मै उसके साथ खेलने नही जाता ।

तू कभी मुझे ही मारती है और डांटती है । लेकिन भाई बलराम को कभी मारती नही और डांटती भी नही है । तब यशोदा अपने पुत्र के बात और गुस्से से खुश होकर कहती है कि, हे कृष्ण मै गोधन की कसम खाकर कहती हूँ कि, तू मेरा पुत्र है और मै ही तेरी माँ हूँ। बलराम जन्म से ही चुगलखोर है । उसके बातों पर तुम ध्यान मत दो ऐसा कहकर कृष्ण के क्रोध को कम करती है ।

V अनुरूपता

1. कृष्ण 2. पिता 3. चिढ़ाना 4. यशोदा

VI जोड़कर लिखिए ।

1. सूरदास का जन्म – सन 1540 को हुआ ।
2. सगुण भक्ति धारा की – कृष्ण भक्ति शाखा ।
3. उत्तर प्रदेश का रुनकता – सूर का जन्मस्थान ।
4. सूरदासजी की मृत्यु – 1642 को हुई ।

VII सही शब्द चुनकर लिखिए ।

1. जसोदा = गोरी
2. कृष्ण = श्याम
3. ग्वाल मित्र = चुटकी
4. बलराम = चुगलगोर
5. कृष्ण की = बाल–लीला

VIII आधुनिक रूप लिखिए ।

जैसे = मैया – माता

1. मोहिं – मुझे
2. मोसों – मुझसे
3. रिस – क्रोध
4. सरीर – शरीर
5. सिखै – सिखाना
6. जसुमति – यशोधा
7. धूत – दुष्ट
8. कान्हा – कृष्ण
9. पूत – पुत्र
10. जनमत – जन्म से

6. कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती । (सोहनलाल द्विवेदी)

I एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।

1. ***किससे डरकर नौका पार नहीं होती ?***
   ' लहरों ' से डरकर नौका पार नहीं होती ।
2. ***किनकी हार नहीं होती है ?***
   ' कोशिश करनेवालों ' की हार नहीं होती है ।
3. ***दाना लेकर कौन चलती है ?***
   ' चींटी ' दाना लेकर चलती है ।
4. ***चींटी कहाँ चढ़ती है ?***
   चींटी ' दीवार ' पर चढ़ती है ।
5. ***किसकी मेहनत बेकार नहीं होती ?***
   ' कोशिश करनेवालों ' की मेहनत बेकार नहीं होती ।
6. ***सागर में डुबकियाँ कौन लगाता है ?***
   ' गोताखोर ' सागर में डुबकियाँ लगाता है ।
7. ***मोती कहाँ मिलता है ?***
   मोती ' सागर के गहरे पानी ' में मिलता है ।
8. ***किसकी मुट्ठी खाली नहीं होती ?***
   ' कोशिश करने वालों ' की मुट्ठी खाली नहीं होती है ।
9. ***किसको मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ?***
   ' संघर्ष ' का मैदान छोड़कर भागना नहीं चाहिए ।
10. ***कुछ किये बिना ही क्या नहीं होती है ?***
    कुछ किये बिना ही ' जय – जयकार ' नहीं होती है ।

II दो – तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए ।

1. चींटी के बारे में कवि क्या कहते हैं ?

कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना ले जाने के समय दीवारों पर सौ बार चढ़कर सौ बार पिसलती है । मन का विश्वास रगों में भरता है । चढ़कर गिरता है और गिरकर चढ़ने के लिए डरता नहीं है । अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है ।

2. गोताखोर के बारे में कवि के विचार क्या हैं ?

गोताखोर के बारे में कवि कहते है कि, गोताखोर सागर में डुबकियाँ लगातार लगाकर खाली हाथ वापस लौटकर आता है । सहज पानी में मोती नहीं मिलते है, उसके लिए गहरे पानी में जाना पडता है । इससे उसकी उत्साह दुगना बढता रहता है । अंत में उसकी हाथ खाली नहीं रहती है ।

3. असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि क्या संदेश देते है ?

असफलता से सफलता की ओर जाने के बारे में कवि संदेश देते हुए कहते है कि, असफलता एक चुनौती है, हम इसे स्वीकार करना चाहिए । असफलता क्यों हो रही है, इसे पहचानकर गलतियों को सुचारना चाहिए । जब तक हम हमारे काम में सफल नहीं होते तब तक नींद और चैन को त्याग देना चाहिए । संघर्ष का मैदान छोड़कर हम भागना नहीं चाहिए । हम कुछ किये बिना हमारी जय–जयकार नहीं होती है ।

III जोड़कर लिखिए ।

अ		*आ*
1. लहर	–	नौका
2. चींटी	–	दाना
3. गोताखोर	–	डुबकियाँ
4. असफलता	–	चुनौती
5. कमी	–	सुधार

IV भावार्थ लिखिए ।

कवि सोहनलाल द्विवेदी चींटी के बारे में बताते हुए कहते है कि, नन्हीं चींटी दाना ले जाने के समय दीवारों पर सौ बार चढ़कर सौ बार पिसलती है । मन का विश्वास रगों में भरता है । चढ़कर गिरता है और गिरकर चढ़ने के लिए डरता नहीं है । अंत में चींटी का मेहनत बेकार नहीं होती है । कोशिश करनेवालों की कभी भी हार नहीं होती हैं ।

V उदाहरण के अनुसार तुकांत शब्दों को पहचानकर लिखिए ।

उदा = पार – हार

1. चलती – फिसलती
2. भरता – अखरता
3. लगाता – आता
4. बार – हार
5. स्वीकार – तिरस्कार

VI सफलता प्राप्त करने से संबंधित शब्दों पर गोल लगाइए ।

सार्थक परिश्रम	आत्मविश्वास	आराम से सोना	सतत अभ्यास	
हैरान होना	बेकार का काम करना	पराजय का स्वीकार	सार्थक काम करना	
कुछ करके देखना	शिक्षा प्राप्ति	भटकना	भाग जाना	भला करना

VII दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर ' परिश्रम' पर लघु लिख तैयार कीजिए ।

कुछ लोग जीवन में निराशा से रहते है, क्योंकि वे कोशिश करते नहीं है और मेहनत से जीवन नहीं बिताते है । उत्साह और साहस सफलता की कुंजी है । जीवन को सफल बनाने कभी कभी गिरना भी पड़ता है चढ़ना भी पड़ता है । कोशिश करते रहने से सहजता से ही हाथ खाली नहीं होती है । इस कारण हम जीवन में हर चुनौती को स्वीकार करके संघर्ष को सीना तानकर सामना करना चाहिए । संघर्ष में जीतने तक नींद और चैन को त्याग करना चाहिए ।

IX अनुरूपता ।

1. परिश्रम 2. जीतना 3. बेचैन 4. हस्त

– अपठित गद्यांश –

शनि – सबसे सुंदर ग्रह – 01

1. शनि किसका पुत्र है ? इसे शनैश्चर किसे कहते है ?

शनि ' **सूर्य** ' का पुत्र है । आकाश के गोल पर शनि ग्रह ' **बहुत धीमी गति** ' से चलता है । इस कारण शनि ग्रह को शनैश्चर कहते है ।

2. शनि सौरमंडल का सबसे सुन्दर ग्रह है । कैसे ?

शनि के चारों ओर वलय (गोल) है । शनि के इन वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौर–मंडल का सबसे सुन्दर एवं मनोहर ग्रह बनाया है । वस्तुतः शनि सौर–मंडल का सर्वाधिक सुन्दर ग्रह है ।

3. शनि एक राशि में करीब कितने साल रहता है ?

शनि करीब तीस वर्षों में सूर्य का एक चक्कर लगाता है । इसलिए साल भर में आकाश में शनि की स्थिति में कोई विशेष परिवर्तन दिखाई नही देता । यह एक राशि में करीब $2\ ^{1}/_{2}$ साल तक रहता है ।

4. शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

बृहस्पति की तरह शनि का वायुमंडल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है ।

5. शनि के उपग्रहों के बारे में बताइए ।

पहले शनि के **10** उपग्रह खोजे थे । लेकिन अब शनि के उपग्रहों की संख्या **17** पर पहुँच गई है । शनि के और भी उपग्रह हो सकते है । शनि का सबसे बड़ा उपग्रह ' **टाइटन** ' सौर–मंडल का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और दिलचस्प उपग्रह है । बृहस्पति का ' **गैनीमीड** ' उपग्रह सौर–मंडल का सबसे बडा उपग्रह है ।

– *सत्य की महिमा – 2*

1. सत्य क्या होता है ? उसका रूप कैसे होता है ।

' सत्य' बहुत भोला–भाला, बहुत ही सीधा–सादा, जो कुछ आँखों से देखा, बिना नमक–मिर्च लगाए बोल दिया – यही सत्य है । सत्य दृष्टि का प्रतिबिंब है, ज्ञान की प्रतिलिपि है , आत्मा की वाणी है

2. झूठ का सहारा लेते है तो क्या–क्या सहना पड़ता है ?

झूठ बोलनेवाले अपने एक झूठ साबित करने के लिए हज़ारों झूठ बोलने पड़ते है, और कहीं पोल खुली तो मुँह काला करना पड़ता है, अपमानित होना पड़ता है ।

3. झूठ बोलनेवालों की हालत कैसी होती है ?

कभी–कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ अवश्य होता है, [अर इससे अधिक हानी ही होती है । क्षणिक लाभ विकास के मार्ग के लिए बाधा बन जाता है । व्यक्तित्व कुंठित होता है । झूठ बोलनेवालों से लोगों का विश्वास उठ जाता है । उनकी उन्नति के द्वार बंद हो जाते है ।

4. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?

किसी को परेशान करने, दुखी करने के उद्देश्य से सत्य बोलना नहीं चाहिए । काने को ' काना' कहकर पुकारना या लंगडे को उस जैसी नकल कर दिखाना सच बोलना नहीं होता यह तो सिर्फ छेडना हुआ । इस बात को शास्त्र में समझाया गया है ।

5. संसार के महान व्यक्तियों ने सत्य का सहारा लिया है । सोदाहरण समझाइए ।

संसार में जितने व्यक्ति हुए , सबने सत्य का सहारा लिया है । राजा हरिश्चन्द्र की सत्य निष्ठा विश्वविख्यात है । उन्हें सत्य के मार्ग पर चलते अनेक कठिनाइयों का सामना करना पडा, लेकिन उनकी कीर्ति आज भी सूरज की रोशनी से कम प्रकाशमान नही है । राजा दशरथ ने सत्य वचन निभाते के लिए अपने प्राण त्याग दिए ।

6. महात्मा गाँधी का सत्य की शक्ति के बारे में क्या कथन है ?

महात्मा गाँधि का कथन है कि, सत्य एक विशाल वृक्ष है । उसका जितना आदर किया जाता है, उतने ही फ्ल उसमें लगते है । उनका अंत नहीं होता । सत्य बोलने की आदत बचपन से ही डालनी चाहिए ।

1. मीना मैडम कार्य शिबिर में कौनसा कार्यक्रम आयोजन किए ?

हिन्दी मीना मैडम ने समुदाय भवन में 15 दिवसीय एक कार्यशिबिर आयोजित किये थे । कविता – वाचन, कविता – रचना, नाटक – प्रदर्शन, संभाषण – कौशल, टेराकोट गुड़िया बनाना, इत्यादि कार्यक्रम यहाँ आयोजित किया गय था । शुक्रवार का विषय था ' नागरिक के मूल कर्तव्य' ।

2. **अकुल के इसाब से नागरिक के कर्तव्य क्या है ?**

अकुल कहता है कि एक नागरिक की हैसियत से हमें अपने देश के राष्ट्रध्वज, राष्ट्रगान, राष्ट्रीय त्योहार आदि का आदर करना चाहिए ।

3. नागरिक के कर्तव्य के बारे में सलमा का राय क्या है ?

नागरिक के कर्तव्य के बारे में सलमा कहती है कि, प्रकृति हमारी माता है । इसलिए हमें प्राकृतिक संसाधनों का अपव्यय करना नही चाहिए । अपने पर्यावरण को स्वच्छ रखना भी हमारा दायित्व है ।

4. नीलिमा का अनुसार नागरिक कर्तव्य क्या है ?

नीलिमा अनुसार देश के प्रति गौरव का भाव रखना एवं देश की एकता और अखंडता को कायम रखना हमारा कर्तव्य है ।

5. अन्वर नागरिक के कर्तव्य के बारे में क्या कहता है ?

समस्त देशवासियों के प्रति भाई चारे का भाव रखना और जाति, धर्म, भाषा, प्रदेश, वर्ग पर आधारित सभी भेद – भावों से दूर रहना चाहिए । यह अन्वर के अनुसार नागरिक के कर्तव्य है ।

6. जार्ज के अनुसार नागरिक के कर्तव्य क्या है ?

जार्ज कहता है कि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सुधार की भावना का विकास करना भी नागरिक का कर्तव्य होता है ।

7. स्टेला नागरिक के कर्तव्य के बारे में क्या कहती है ?

स्टेला के अनुसार हर एक नागरिक का कर्तव्य है कि अपनी संस्कृति और गौरवशाली का सम्मान करना चाहिए । संविधान के नियमों का पालन भी करना चाहिए ।

व्याकरण

प्रेरणार्थक क्रिया

कर्ता स्वयं कार्य न करके, किसी दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है , उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते है । प्रेरणार्थक क्रिया के दो रूप मिलते है । जैसे – 1. प्रथम प्रेरणार्थक रूप ।

2. द्वितीय प्रेरणार्थक रूप ।

उदा :– रावण काम <u>करता</u> है । (क्रिया)

रावण काम <u>कराता</u> है । (प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया)

रावण काम <u>करवाता</u> है । (द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
1. हँसना	हँसाना	हँसवाना
2. उड़ना	उड़ाना	उड़वाना
3. पढ़ना	पढ़ाना	पढ़वाना
4. उठना	उठाना	उठवाना
5. करना	कराना	करवाना
6. चलना	चलाना	चलवाना
7. लिखना	लिखाना	लिखवाना
8. दौड़ना	दौड़ाना	दौड़वाना
9. ओढ़ना	ओढ़ाना	ओढ़वाना
10. जागना	जगाना	जगवाना
11. जीतना	जिताना	जितवाना
12. बैठना	बिठाना	बिठवाना
13. मरना	मराना	मरवाना
14. भेजना	भिजाना	भिजवाना
15. खेलना	खिलाना	खिलवाना
16. खाना	खिलाना	खिलवाना
17. देना	दिलाना	दिलवाना
18. देखना	दिखाना	दिखवाना
19. छेड़ना	छिड़ाना	छिड़वाना
20. गिरना	गिराना	गिरवाना
21. समझना	समझाना	समझवाना
22. पकड़ना	पकड़ाना	पकड़वाना
23. चिपकना	चिपकाना	चिपकवाना
24. निकलना	निकलाना	निकलवाना
25. मिलना	मिलाना	मिलवाना
26. ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
27. लौटना	लौटाना	लौटवाना
28. उतरना	उतराना	उतरवाना
29. पहनना	पहनाना	पहनवाना
30. चढ़ना	चढ़ाना	चढ़वाना
31. सुनना	सुनाना	सुनवाना
32. डरना	डराना	डरवाना
33. मिठना	मिठाना	मिठवाना
34. झरना	झराना	झरवाना
35. बुझना	बुझाना	बुझवाना
36. रोना	रुलाना	रुलवाना
37. सोना	सुलाना	सुलवाना
38. धोना	धुलाना	धुलवाना
39. पीना	पिलाना	पिलवाना
40. सीना	सिलाना	सिलवान
41. खोलना	खुलाना	खुलवाना

सरकारी हाईस्कूल चिक्कतिरुपती मालूर तालुक, कोलार जिला

संधि

दो वर्णों या ध्वनियों के विकार से होनेवाले मेल को संधि कहते है । जैसे–विद्या + आलय=विद्यालय ।

संधि के तीन प्रकार के होते है । जैसे –

संधि

।

। । ।

स्वर संधि व्यंजन संधि विसर्ग संधि

।

1. दीर्घ संधि
2. गुण संधि
3. वृद्धि संधि
4. यण संधि
5. अयादि संधि

स्वर के सामने स्वर आये तो (दो स्वरों के मेल से होने वाले विकार (परिवर्तन) उसे स्वर संधि कहते है ।

जैसे– 1. शिव+आलय = शिवालय

अ + आ = आ

2. कवि + इन्द्र = कवीन्द्र

इ +इ = ई

3. लघु + उत्तर = लघूत्तर

उ + उ = ऊ

दीर्घ संधि

पद विग्रह करने पर पूर्व पद और उत्तर पद एक ही अक्षर होता है जैसे–अ+अ, अ+आ, इ+इ, उ+उ, ऋ+ऋ, आदि ।

1. समानिधिकार = समान + अधिकार
2. धर्मात्मा = धर्म + आत्मा
3. विद्यार्थी = विद्या + अर्थी
4. देवालय = देव + आलय
5. शिवालय = शिव + आलय
6. गीतांजली = गीता + अंजली
7. जीवनावधि = जीवन + अवधि
8. शरणार्थी = शरण + अर्थी
9. प्रतीकात्मक = प्रतीक + आत्मक
10. सुविधानुसार = सुविधा + अनुसार
11. पर्वतावली = पर्वत + आवली
12. संग्रहालय = संग्रह + आलय
13. जलाशय = जल + आशय
14. मतानुसार = मत + अनुसार

15. सत्याग्रह = सत्य + आग्रह
16. विश्वविद्यालय = विश्व + विद्यालय
17. सहानुभूति = सह + अनुभूति
18. मुनीन्द्र = मुनी + इन्द्र
19. रवीन्द्र = रवि + इन्द्र
20. गिरीश = गिरि + ईश
21. महीन्द्र = मही + इन्द्र
22. रजनीश = रजनी + ईश
23. लघूत्तर = लघु + उत्तर
24. सिंधूर्जा = सिंधु + ऊर्जा
25. वधूत्सव = वधु + उत्सव
26. भूर्जा = भू + ऊर्जा
27. पितृण = पितृ + ऋण

गुण संधि

गुण संधि में पद के बीच में " ***ए , ओ*** और ***अर*** " कारंत अक्षर आते है । जैसे –

(ए–कारंत)

1. गजेन्द्र = गज + इन्द्र
2. महेन्द्र = महा + इन्द्र
3. रमेश = रमा + ईश
4. सुरेश = सुरा + ईश
5. महेश = महा + ईश
6. परमेश्वर = परम + ईश्वर

(ओ – कारंत)

7. वार्षिकोत्सव = वार्षिक + उत्सव
8. जलोर्मि = जल + ऊर्मि
9. महोत्सव = महा + उत्सव
10. महोर्मि = महा + ऊर्मि
11. परोपकार = पर + उपकार

(अर – कारंत)

12. महर्षि = महा + ऋषि
13. सप्तर्षि = सप्त + ऋषि
14. देवर्षि = देव + अर्षि

वृद्धि संधि

वृद्धि संधि में पद के बीच " ***ऐ*** और ***औ*** " कारंत अक्षर आते है । जैसे –

(ऐ – कारंत)

1. एकैक = एक + एक
2. मतैक्य = मत + ऐक्य
3. सदैव = सदा + एव
4. लोकैक = लोक + एक
5. शिवैक = शिव + एक
6. महैश्वर = महा + ऐश्वर

(औ – कारंत)

7. परमौज = परम + ओज
8. वनौशध = वन + औषध
9. महौषधि = महा + औषधि
10. महौजस्वी = महा + ओजस्वी

यण संधि

समस्त पद में ' ***अर्ध अक्षर*** ' और विग्रह पद में ' ***पूरा अक्षर*** ' आए तो उसे यण संधि कहते है । जैसे –

1. अत्यधिक = अति + अधिक
2. इत्यादि = इति + आदि
3. प्रत्युपकार = प्रति + उपकार
4. मन्वंतर = मनु + अन्तर
5. स्वागत = सु + आगत
6. पित्रनुमति = पितृ + अनुमति
7. पित्राज्ञा = पितृ + आज्ञा
8. पितृपदेश = पितृ + उपदेश
9. यद्यपि = यदि + अपि

अयादि संधि

अयादि संधि में सामान्य रूप से 3 अक्षर आते है और नामपद का विग्रह किया जाता है । जैसे –

1. चयन = चे + अन
2. नयन = ने + अन
3. गायक = गै + अक
4. नायिका = नै + इका
5. भवन = भो + अन
6. पावन = पौ + अन
7. नाविक = नौ + इक

1. व्यंजन संधि

व्यंजन का व्यंजन से अथवा किसी स्वर से मेल होने पर जो परिवर्तन होता है उसे व्यंजन संधि कहते है –

1. सदवाणी = सत + वाणी
2. अजन्त = अच + अन्त
3. षड्दर्शन = षट् + दर्शन
4. वागजाल = वाक + जाल
5. तद्रूप = तत + रूप
6. सदाचार = सत + आचार
7. जगनमोहन = जगत + मोहन
8. संतोष = सम + तोष
9. सज्जन = सत + जन
10. वागीश = वाक + ईश
11. अजंत = अच + अंत
12. अब्ज = अप + ज
13. उल्लस = उत + लास
14. दिग्गज = दिक + गज
15. षडानन = षट + आनन
16. वाङमय = वाक + मय
17. षण्मास = षट + मास
18. उन्नयन = उत + नयन
19. अम्मय = अप + मय
20. सद्भावना = सत + भावना
21. जगदीश = जगत + ईश
22. सद्धर्म = सत + धर्म
23. सच्चरित्र = सत + चरित्र
24. अहंकार = अहम + कार
25. सम्मान = सत + मान
26. संविधान = सम + विधान

विसर्ग संधि

विसर्ग (:) जे बाद स्वर या व्यंजन आने पर विसर्ग में जो विकार होता है उसे विसर्ग संधि कहते है । – जैसे = मन

1. निश्चय = नि: + चय
2. निष्कपट = नि: + कपट
3. नीरस = नि: + रस
4. दुर्गंध = दु: + गंध
5. मनोरथ = मन: + रथ
6. पुरोहित = पुर: + हित
7. पुरस्कार = पु: + कार
8. निराशा = नि: + आशा
9. निर्धन = नि: + धन
10. मनोहर = मन: + हर
11. निश्चिंत = नि: + चिंत

समास

समास का अर्थ है ' संक्षिप्तीकरण ' | दो या अधिक शब्दों से मिलकर बने नये और सार्थक शब्द को समास कहते है ।

समास के 6 प्रकार है । जैसे =

1. अव्ययीभाव समास
2. कर्मधारय समास
3. तत्पुरुष समास
4. द्विगु समास
5. द्वन्द्व समास
6. बहुव्रीही समास

1. अव्ययीभाव समास –

अव्ययीभाव समास में पहला पद अव्यय हो जाता है । इसके समस्त पद भी अव्ययी वन जाता है (कोई शब्द व्यय नहीं होता है) । जैसे –

1. आजन्म = जन्म से लेकर
2. बेखटके = खटके के बिना
3. भरपेट = पेट भर
4. यथासंभर = जैसा संभव हो
5. अनजाने = बिना जाने
6. प्रतिदिन = दिन प्रतिदिन
7. यथामति = मति के अनुसार
8. आमरण = मृत्यु तक

2. कर्मधाराय समास –

कर्मधाराय समास में विशेषण–विशेष्य (एक शब्द विशेषण, दूसरा विशेष्य) होता है , या उपमेय–उपमान का संबंध होता है ।

1. सदधर्म = सत है जो धर्म
2. पीतांबर = पीला है जो अंबर
3. नीलकंट = नील है जो कंठ
4. नीलकमल = नीला है जो कमल
5. कनकलता = कनक के समान लता
6. चन्द्रमुख = चन्द्र के समान मुख
7. मुखचन्द्र = चन्द्रमा रूपी मुख
8. करकमल = कमल रूपी कर

3. तत्पुरुष समास

तत्पुरुष समास में दोनों शब्दों के बीच में कारकों या परसर्गों का प्रयोग होता है । (को, के, द्वारा, से, का, की, का, के, में, पर) जैसे –

1. जन्मशती = जन्म की शती
2. स्वर्गप्राप्त = स्वर्ग को प्राप्त
3. ग्रंथकार = ग्रंथ को लिखनेवाला
4. गगनचुंबी = गगन को चूमनेवाला
5. चिड़ियामार = चिड़िया को मारनेवाला
6. परलोकगमन = परलोक को गमन
7. अकालपीड़ित = अकाल से पीड़ित
8. सूरकृत = सूर के द्वारा कृत
9. शक्तिसंपन्न = शक्ति से संपन्न
10. रेखांकित = रेखा के द्वारा अंकित
11. अश्रुपूर्ण = अश्रु से पूर्ण
12. होश हवास = होश से हवास
13. सत्याग्रह = सत के लिए आग्रह
14. राहखर्च = राह के लिए खर्च
15. सभाभवन = सभा के लिए भवन
16. देशभक्ति = देश के लिए भक्ति
17. देशप्रेम = देश के लिए प्रेम
18. गुरुदक्षिणा = गुरु के लिए दक्षिणा
19. श्रद्धा भक्ति = श्रद्धा के लिए भक्ति
20. धनहीन = धन से हीन
21. जन्मांध = जन्म से अंधा
22. पथभ्रष्ट = पथ से भ्रष्ट
23. देश्निकाला = देश से निकाला
24. बंधनमुक्त = बंधन से मुक्त
25. धर्मविमुख = धर्म से विमुख
26. जलप्रपात = जल से प्रपात
27. प्रेमसागर = प्रेम का सागर
28. भूदान = भू का दान
29. देशवासी = देश का वासी
30. राजवंश = राजा का वंश
31. राजमहल = राजा का महल
32. राजसभा = राज की सभा
33. जलधारा = जल की धारा
34. आपबीती = आप पर बीती
35. कार्यकुशल = कार्य में कुशल
36. दानवीर = दान में वीर
37. शरणागत = शरण में आगत
38. नरश्रेष्ठ = नर में श्रेष्ठ

4. द्विगु समास –

द्विगु समास में पहला पद संख्यावाची होता है । यह समस्त शब्द समूहवाची भी होता है । जैसे –

1. सतसई = सात सौ (दोहों) का समूह
2. त्रिधारा = तीन धाराएँ
3. पंचवटी = पाँच वटों का समूह
4. त्रिवेणी = तीन वेणियों का समूह
5. शताब्दी = सौ वर्षों का समूह
6. चौराह = चार राहों का समूह
7. बारहमासा = बारह मासों का समूह
8. चौमासा = चार मासों का समूह
9. नवरात्री = नौ रात्रियों का समूह

5. *द्वंद्व समास* –

द्वंद्व समास में दोनों पद प्रधान होते है । (जोड़ी पद कहलाता है) जैसे –

1. सीता – राम = सीता और राम
2. पाप – पुण्य = पाप और पुण्य
3. सुबह – शाम = सुबह और शाम
4. सुख – दुःख = सुख और दुःख
5. दाल – रोटी = दाल और रोटी
6. इधर – उधर = इधर और उधर
7. दो – चार = दो और चार
8. भला – बुरा = भला और बुरा
9. देश – विदेश = देश और विदेश
10. राम – लक्ष्मण = राम और लक्ष्मण

6. बहुव्रीहि समास –

समस्त पद में एक अर्थ और उसका गूढार्थ दूसरा हो उसे बहुव्रीहि समास कहते है । इस समास में विग्रह करने पर अंत में ' जिसका, जिसके, जिसकी या वाला, वाले, वाली ' आते है । जैसे –

1. मृगनयनी = मृग के लोचनों के समान नयन है जिसके ।
2. महात्मा = महान है आत्मा जिसकी ।
3. घनश्याम = घन के समान श्याम है जो ।
4. श्वेतांबरी = श्वेत अंबर (वस्त्रों) वाली (सरस्वती) ।
5. लंबोदर = लंबा है उदर जिसका (गणेश) ।
6. चक्रपाणि = चक्र है हाथ में जिसके (विष्णु) ।
7. त्रिनेत्र = तीन है नेत्र जिसके (शिव) ।
8. दशानन = दस है आनन (मुँह) जिसके (रावण) ।
9. नीलकंठ = नील है कंठ जिसका (शिव) ।
10. वीणापाणि = वीणा हाथ में है जिसका (सरस्वती) ।

– ***कारक*** –

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य में अन्य शब्दों के साथ जाना जाता है, उसे कारक कहते है । (शब्द जोडकर वाक्य बनाने के साधन)

कारक 8 प्रकार के होते है । जैसे –

1. कर्ता कारक – ने
2. कर्म कारक – को
3. करण कारक – से
4. संप्रदान कारक – के लिए, के द्वारा, के वास्ते
5. अपदान कारक – से
6. संबंध कारक – का, के, की
7. अधिकरण कारक – में , पर
8. संबोधन कारक – अरे , हे, ओ , हो, वाह

वाक्यों में कारकों की आवश्यकता के लिए एक उदाहरण , यहाँ रेखांकित शब्द कारक है ।

" राम **ने** रावण **को** तीर **से** सीता **के लिए** लंका **में** मारकर कहा **अरे** ! रावण मर गया । "

– ***मुहावरें*** –

जिस वाक्य से प्रकट अर्थ से भिन्न अर्थ पाया जाता है, उसे मुहावरें कहते है ।

1. होशहवास उड़ना – घबरा जाना ।
2. बाल – बाल बचना – खतरे से बच जाना ।
3. सातवें आसमान पर पहुँचना – अधिक होना ।
4. पसीना बहाना – परिश्रम करना ।
5. हिम्मत न हारना – धीरज रखना ।
6. बीड़ा उठाना – जिम्मेदारी लेना ।
7. चने के झाड़ पर बिठाना – अधिक प्रशंसा करना ।
8. अंगूठा दिखाना – देने से स्पष्ट इन्कार करना ।
9. अंगारे उगलना – क्रोध में कठोर वचन बोलना ।
10. अपना उल्लू सीधा करना – काम निकालना / स्वार्थ पूरा करना ।
11. आग बबूला होना – क्रोधित होना ।
12. आसमान सिर पर उठाना – शोर करना ।
13. कमर कसन – तैयार होना ।
14. खून पसीना एक करना – बहुत मेहनत करना ।
15. छक्के छुड़ाना – बुरी तरह हराना ।
16. दाल न गलना – सफल न होना ।
17. अंधे की लकडी – असहाय व्यक्ति का एक मात्र सहारा ।
18. अपने पैरों पर कुल्हाडी मारना – अपना नुकसान खुद करना ।
19. आँखों का तारा – अत्यंत प्रिय ।
20. ईद का चाँद होना – बहुत दिनों के बाद दिखाई देना ।
21. काला अक्षर भैंस बराबर – अनपढ़ व्यक्ति ।
22. घोड़े बेचकर सोना – निश्चिंत होकर सोना ।
23. दाल में कुछ काला होना – संदेह की बात होना ।
24. फूला न समाना – बहुत प्रसन्न होना ।
25. लोहा लेना – युद्ध करना ।
26. श्री गणेश करना – आरम्भ करना ।
27. नौ–दो ग्यारह होना – भाग जाना ।
28. आँखे लाल होना – गुस्सा होना ।
29. चूँ तक न करना – चुपचाप कष्ट सहना ।

– कहावतें –

संक्षेप में कही गयी अनुभवों का चमत्कारपूर्ण बात को कहावत या लोकोक्ति कहते है ।

1. जो गरजते है वे बरसते नहीं – अधिक शोर मचानेवाले काम कम करते है ।
2. अध जल गगरी छलकत जाय – कम गुणों वाला व्यक्ति अधिक दिखावा करता है ।
3. आम के आम गुठलियों के दाम – दुगुना लाभ ।
4. खोदा पहाड़ निकली चुहिया – बहुत प्रयत्न करने पर भी कम लाभ पाना ।
5. चिराग तले अंधेरा – अपनी बुराइयाँ न दिखाई देना ।
6. चोर की दाढ़ी में तिनका – अपराधी स्वयं भयभीत रहता है ।
7. डूबते को तिनके का सहारा – मुसीबत के समय थोड़ी भी सहायता बहुत होती है ।
8. हाथी के दाँत खाने के और दिखाने के और – सामने कुछ और, पीछे कुछ और ।
9. उल्टा चोर कोतवाल को मारे – अपराधी निरपराध पर दोष लगाए ।
10. दूध का दूध पानी का पानी – ठीक न्याय होना ।
11. जिसकी लाठी उसकी भैंस – ताकतवर से सब डरना ।
12. जैसी करनी, वैसी भरनी – जैसा कार्य वैसा परिणाम ।
13. साँप मरे, लाठी न टूटे – बिना हानि उठाए काम बन जाना ।

– अनेक शब्दों के लिए एक शब्द –

1. जो दूसरोंकी भलाई करता हो – परोपकारी
2. जो हर समय हँसता रहता हो – हँसमुख
3. जो सबसे प्रसन्नतापूर्वक मिलता–जुलता हो – मिलनसार
4. जो ईश्वर में विश्वास करता हो – आस्तिक
5. जो सब कुछ जानता हो – सर्वज्ञ
6. जो गीत गाता हो – गायक
7. जिसकी कल्पना की जा सके – काल्पनिक
8. कविता लिखनेवाला – कवि
9. निबंध लिखनेवाला – निबंधकार
10. कहानी लिखनेवाला – कहानिकार
11. उपन्यास लिखनेवाला – उपन्यासकार
12. शिकार करनेवाला – शिकारी
13. बहुत बोलनेवाला – वाचाल
14. कपड़े बुननेवाला – जुलाहा
15. सब्जी बेचनेवाला – सब्जीवाला
16. कपड़े धोनेवाला – धोबी
17. जो पति–पत्नी हो – दंपती
18. जिसकी कोई संतान न हो – निस्संतान
19. राह पर चमनेवाला – राहगीर
20. जो पढ़ा लिखा न हो – अनपढ़
21. जो अनजान हो – अनजाने / अपरिचित
22. कम बोलने वाला – मितभाषी
23. कविता लिखनेवाली – कवयित्री
24. जिसमें कम शक्ति हो – अशक्त
25. पूजा के योग्य – पूजनीय
26. माँस खाने वाला – माँसहारी
27. तरकारी खानेवाला – शाकाहारी
28. जिसका आकार न हो – निराकार

29. जो सब जगह व्याप्त हो – सर्वव्यापी
30. जिसका कोई अर्थ न हो – निरर्थक
31. जिसका आचरण अच्छा हो – सदाचारी
32. साथ में पढ़ने वाली – सहपाठिन

– *विराम चिह्न* –

जो चिह्न बोलते या पढ़ते समय रुकने का संकेत देते है , उन्हे विराम चिह्न कहते है । विराम का अर्थ है – रुकना या ठहरना ।

1. अल्प विराम – (,)
2. अर्ध विराम – (;)
3. पूर्ण विराम – (।)
4. प्रश्नार्थक (प्रश्न) चिह्न – (?)
5. विस्मयादिबोधक चिह्न – (!)
6. योजक चिह्न – (–)
7. उद्धरण चिह्न – (“ ”)
8. कोष्ठक चिह्न – ( )
9. वोवरण चिह्न – (:–)

– *लिंग* –

संज्ञा के जिस रूप से उसके पुरुष या स्त्री जाति के होने का बोध होता है, उसे लिंग कहते है ।
लिंग पहचानने की सूत्र –

– *पुल्लिंग* –

1. **पुल्लिंग** अप्राणिवाचक के लिं पहचानने के सूत्र –
   प्रायः बड़ी, भारी और मोटी वस्तुओं के शब्द **पुल्लिंग** होते है । जैसे – **थैला, डिब्बा, थाल आदि** ।
   * पर्वत, देश, समुद्र, पेड़, अनाज, वार, मास, ग्रह–नक्षत्र, समय, धातु, द्रव, रत्न के नाम पुल्लिंग होते है ।

* अक, अन, आर, एरा, तत्व, ना, आपा, आव, आना, पन और अर्थी प्रत्यय से बननेवाले शब्द पुल्लिंग होते है ।

जैसे – **तैराक, पवन, सुनार, लुटेरा, मनुष्यत्व, रोना, मोटापा, बचाव, लड़कपन आदि** ।

– स्त्री लिंग–

* नदी, झील, भाषा, बोली, लिपि, कुछ नक्षत्र, तिथि, तारीख, आदि ।
* **शरीर के ये अंग** = आँख, नाक, कमर, छाती, जीभ, पलक, कोहनी, कलाई, आदि ।

* **खाने की चीज़े** = रोटी, कचौड़ी, पूरी, दाल, सब्जी आदि ।
* संस्कृत के आकारांत, उकारांत और इकारंत शब्द स्त्रीलिंग होते है ।
* आ, आवट, आहट, इया, आई, आस, ई, त, इमा और नी प्रत्यय से बननेवाले शब्द स्त्रीलिंग होते है । **बनावट, मुस्कराहट, पढ़ाई, कपास, मधुरिमा, करनी** आदि ।

पुल्लिंग	स्त्री लिंग
1. छात्र	छात्रा
2. आचार्य	आचार्या
3. नर	नारी
4. नाना	नानी
5. कुत्ता	कुतिया
6. बेटा	बेटी / बिटिया
7. सुनार	सुनारिन
8. मालिक	मालकिन
9. ठाकुर	ठाकुराइन
10. हलवाई	हलवाइन
11. बालक	बालिका
12. सेवक	सेविका
13. नायक	नायिका
14. गायक	गायिका
15. सेठ	सेठानी
16. नौकर	नौकरानी
17. शेर	शेरनी
18. मोर	मोरनी
19. महान	महती
20. श्रीमान	श्रीमती
21. भाग्यवान	भाग्यवती
22. स्वामी	स्वामिनी
23. एकाकी	एकाकिनी
24. दाता	दात्री
25. विधाता	विधात्री
26. भाई	बहन

– ' **कि** ' *और* ' **की** ' का प्रयोग –

' **कि** ' का प्रयोग ।

* ' **कि** ' प्रश्नवाचक है । जैसे – मेरे पिता कहते है **कि,** हम बडों को गौरव देना चाहिए ।
राम ने कहा **कि** उअसके पिताजी का नम दशरथ है ।
तुम चाय पियोगे **कि** काफी ?
मैं बाहर जानेवाला ही था **कि** बारिश आ गयी ।

' **की** ' का प्रयोग ।

* ' **की** ' संबंध कारक है । जैसे – दिल्ली भारत **की** राजधानी है ।
राम **की** बहन ।
पिताजी **की** किताब ।
घर **की** रोटियाँ ।
सीता **की** कपड़े ।

क्रिया के रूप में भी ' **की** ' का प्रयोग होता है ।

* जैसे – राम ने परीक्षा पास की ।
मैं ने दिल्ली की यात्रा की ।
उसने कोई गलती नही की ।
उसने काम की ।

विलोमार्थक शब्द (विरुद्धार्थक)

1. अंधकार * प्रकाश
2. आय * व्यय
3. आगे * पीछे
4. अमृत * विष
5. आधार * निराधार
6. परतंत्र * स्वतंत्र
7. जय * पराजय
8. सफल * असफल
9. चल * अचल
10. आदर * अनादर
11. लिखित * अलिखित
12. आवश्यक * अनावश्यक
13. अंदर * बाहर
14. ऊपर * नीचे
15. विदेश * स्वदेश
16. धन * निर्धन
17. उतरना * चढना
18. जीतना * हारना
19. वीर * कायर
20. धर्म * अधर्म
21. न्याय * अन्याय
22. सम्मान * अपमान
23. सवाल * जवाब